मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 09
मंगलवार, 15 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

श्रावण के पहले सोमवार को बाबा दरबार में उमड़ा आस्था का सागर

- कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के स्वागत में पग-पग पर सेवा
- काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत, प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सेवा में झोंकी ताकत
- हर-हर महादेव के गगनभेदी नारों से गूंजती रही काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव की नगरी काशी में आस्था का ऐसा प्रवाह दिखा, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के सामने कोई मौसम, कोई दूरी मायने नहीं रखती। प्रातः श्री काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती के साथ श्रावण की शुरूआत ऐसी भक्ति और उल्लास के संग हुई, जिसकी अनुभूति शब्दों में नहीं, केवल मन में संभव है। तड़के से ही बाबा दरबार में दर्शन को उमड़ी अपार भीड़ ने हर एक मोड़ पर बता दिया कि काशी शिव की है, और शिव के नाम पर देश जुड़ता है।

उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक से श्रद्धालु काशी पहुंचे। शिवभक्त कांवड़िये हरिद्वार, गंगोत्री व अन्य तीर्थों से जल लेकर बाबा के दर पर पहुंचे। शिवरात्रि की भांति शिवालयों में गंगा जलाभिषेक दौर शुरू हुआ तो बगैर कतार टूटे अनवरत जारी रहा. गलियों, घाटों और मंदिर प्रांगण में हर-हर महादेव के जयघोष और बोल-बम की गूंज से काशी का कण-कण शिवमय हो गया। मंदिर प्रशासन के अनुसार, करीब 8 लाख श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए पधारे।

मंदिर तक पहुंचने के लिए रेड कार्पेट बिछाया गया, जिस पर फूलों की वर्षा कर श्रद्धालुओं और कांवड़ियों का स्वागत किया गया। बाबा की चल प्रतिमा का विशेष श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। गोदौलिया व मैदागिन की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं पर पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल एवं जिलाधिकारी एस राजलिंगम व मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा क्षरा पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया। कड़ाके की बारिश और उमस भरे वातावरण में भी श्रद्धालुओं की आस्था टस से मस नहीं हुई। घंटों इंतजार के बाद भी चेहरों पर थकान नहीं, हर हर महादेव के जयकारे थे। घाटों पर रुद्राभिषेक, मंदिरों में भजन कीर्तन और गलियों में गूंजते हर हर महादेव के स्वर वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। खास यह है कि 1932 से चली आ रही इस परंपरा के तहत इस वर्ष भी 50,000 से अधिक यादवबंधुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया. इनमें से 21 चुनिंदा यादव प्रतिनिधियों को गर्भगृह तक जाकर जल चढ़ाने की अनुमति दी गई. यह एक बड़ा सम्मान है और इससे समाज की वर्षों पुरानी आस्था और समर्पण का पता चलता है। तो दुसरी तरफ दुकानों पर रुद्राक्ष, बेलपत्र, शिव-पार्वती चित्र और माला की खरीदारी जोरों पर है। श्रावण सोमवार को महामृत्युंजय महादेव, संकटमोचन, केदारेश्वर, ओंकारेश्वर, रत्नेश्वर महादेव, भीमशंकर, तेजोमहालाय (विश्वेश्वर लिंग) आदि प्राचीन शिवालयों में रुद्राभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। महामृत्युंजय मंदिर में विशेष जड़ी-बूटी युक्त जलाभिषेक किया गया। संकटमोचन मंदिर में भक्तों ने हनुमानजी के समक्ष शिव नाम का जाप करते हुए जल चढ़ाया।

कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मारी, दो छात्रों सहित तीन युवकों की मौत

बीकानेर, 14 जुलाई। राजस्थान के बीकानेर जिले में सड़क हादसे में दो नर्सिंग छात्र समेत तीन युवकों की मौत हो। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा रविवार देर रात करीब एक बजे जयपुर-जोधपुर बाईपास पर हुआ था।

इसके अनुसार एक कार ने मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार नर्सिंग छात्र खुमाराम (21) और इंद्र कुमार (21) तथा राहगीर अरविंद कुमार की मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 14 जुलाई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ दिन पहले शाहदरा में यात्रा मार्ग पर कांच के टुकड़े बिखरे पाए गए थे। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गुप्ता ने यात्रा में किसी भी तरह की बाधा उत्पन्न करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि उनकी सरकार कांवड़ियों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगभग 400 मीटर तक कांच के टुकड़े बिखरे हुए पाए गए। किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कांवड़ यात्रा में

कोई सुरक्षा बाधा या रुकावट पैदा की जाती है, तो संबंधित व्यक्ति को सरकार को जवाब देना होगा।

एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा कि सरकार शिवभक्तों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और आरामदायक कांवड़ यात्रा सुनिश्चित करेगी। हम पूरी सुविधाएँ देंगे और कांवड़ियों का स्वागत करेंगे। पुलिस ने रविवार को बताया कि दिल्ली के शाहदरा में कांवड़ यात्रा मार्ग पर एक ई-रिक्शा चालक को हिरासत में लिया गया, क्योंकि उसके वाहन पर ले जाए जा रहे शीशे टूटकर बिखर गए। उन्होंने बताया कि ई-रिक्शा उत्तर प्रदेश के शालीमार गार्डन से दिल्ली के सीलमपुर जा रहा था और 19 शीशे के पैनल लेकर जा रहा था, तभी चिंतामणि चौक और झिलमिल मेट्रो स्टेशन के बीच उसे पीछे से टक्कर मार दी गई।

इससे पहले रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि कांवड़ यात्रा आस्था का वह पावन संगम है, जो दिल्ली की सड़कों को तीर्थ बना देता है। यह परंपरा हमारे जीवंत सांस्कृतिक संस्कारों की प्रतीक है।

आंध्र प्रदेश में आम से लदा ट्रक पलटने से नौ लोगों की मौत,11 घायल

आंध्र प्रदेश, 14 जुलाई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि अन्नामय्या जिले के रेड्डीचेरुवु के पास एक आम से लदी लॉरी के एक मिनी ट्रक पर पलट जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और ग्यारह अन्य घायल हो गए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार देर रात अन्नामय्या जिले के पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास आम से लदी एक लॉरी के पलट जाने से नौ लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या ज़िले में आम से लदी एक लॉरी के पलट जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार रात ज़िले के पुल्लमपेट मंडल के रेड्डीचेरुवु कट्टा के पास हुई। आम से लदे ट्रक पर 20 से ज्यादा लोग सवार थे। रात में जब यह हादसा हुआ, तब पीड़ित राजमपेट से रेलवे कोडुरु जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना रविवार रात लगभग 9:30 बजे हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹यह तब हुआ जब लॉरी का पिछला पहिया रेत में फंस गया और संतुलन खोकर एक मिनी ट्रक पर गिर गया।

इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया और अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से दुर्घटना के कारणों की जानकारी ली। अधिकारियों ने उन्हें बताया कि रविवार देर रात जब यह हादसा हुआ, तब पीड़ित

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने व्यक्त किया शोक

राजमपेट से रेलवे कोडुरु जा रहे थे। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि घायलों को उचित चिकित्सा प्रदान की जा रही है

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार मृतकों के परिवारों की पूरी मदद करेगी। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना में घायल हुए लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। चंद्रबाबू नायडू के साथ, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी लॉरी दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर ने रविवार रात हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।

30 जून को हुई इसी तरह की एक घटना में, आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले में एक लॉरी और टेम्पो ट्रैवलर की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, पुलिस ने बताया। यह घटना डोमन्ना बावी के पास, तंबलपल्ले निर्वाचन क्षेत्र के कुरबालाकोटा मंडल में हुई। मुदिवेडु सब-इंस्पेक्टर दिलीप ने कहा कि एक अज्ञात लॉरी ने टेम्पो ट्रैवलर को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तुरंत 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से मदनपल्ले सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। परिवहन मंत्री मंडीपल्ली राम प्रसाद रेड्डी ने अन्नामय्या जिले में सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया और दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

राहुल गांधी ने नीतीश सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 14 जुलाई। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। वहीं, विपक्ष बिहार में कानून व्यवस्था और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर एनडीए सरकार पर लगातार हमला बोल रहा है। इन सबके बीच कानून व्यवस्था को लेकर राहुल गांधी ने भी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि बिहार बना क्राइम कैपिटल ऑफ इंडिया - हर गली में डर, हर घर में बेचैनी! बेरोजगार युवाओं को हत्यारा बना रहा है गुंडा राज।

नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल ने आगे लिखा कि उट कुर्सी बचा रहे हैं, BJP मंत्री कमीशन कमा रहे हैं। मैं फिर दोहरा रहा हूं - इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है। व्यापारियों, राजनेताओं, वकीलों, शिक्षकों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर एक के बाद एक अंजाम दी जा रहीं हत्या की घटनाओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं। पुलिस ने इन घटनाओं के लिए अवैध हथियारों और गोला बारूद की व्यापक उपलब्धता को जिम्मेदार ठहराया है।

पिछले 10 दिन में, व्यवसायी गोपाल खेमका, भाजपा नेता सुरेंद्र कुमार, 60 वर्षीय एक महिला, एक दुकानदार, एक वकील और एक शिक्षक सहित कई लोगों की हत्याओं ने चुनाव से पहले बिहार को दहला दिया है। राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में जनवरी से जून के बीच हर महीने औसतन 229 हत्याओं

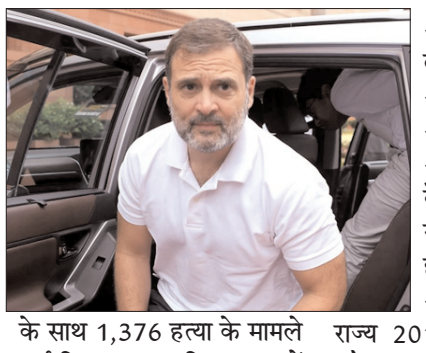

के साथ 1,376 हत्या के मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में यह संख्या 2,786 और 2023 में 2,863 थी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध रूप से निर्मित या बिना वैध लाइसेंस के खरीदे गए आग्नेयास्त्रों के प्रसार और कारतूसों व गोला-बारूद की अनियंत्रित उपलब्धता ने हाल में हिंसक अपराधों में तेजी ला दी है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, बिहार लगातार हिंसक अपराधों, जिनमें आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराध भी शामिल हैं, के मामले में शीर्ष पांच राज्यों में शामिल रहा है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य 2017, 2018, 2020 और 2022 में हिंसक अपराध दर में दूसरे स्थान पर रहा है। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने कहा, ज्यादातर हत्याओं के पीछे जमीन विवाद और संपत्ति के मामले मुख्य कारण हैं। ऐसे मामलों में पुलिस की भूमिका सीमित होती है और यह अपराध होने के बाद शुरू होती है। अपराध का पता लगाने में हमारे बल ने 100 प्रतिशत की दर हासिल कर ली है।

आंध्र प्रदेश के तिरुपति में ट्रेन के खाली डिब्बे में आग लगी

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति रेलवे स्टेशन पर रखरखाव के लिए खड़ी एक ट्रेन के एक खाली डिब्बे में आग लग गई, जिसे तुरंत बुझा दिया गया। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आग अपराह्न करीब दो बजे लगी और इसमें किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई खबर नहीं है।

अधिकारी ने बताया, अपराह्न करीब दो बजे केवल एक डिब्बे में आग लगी। इसे बहुत जल्दी काबू में कर लिया गया। दमकल विभाग ने आकर तुरंत आग पर नियंत्रण कर लिया।

उन्होंने कहा कि जांच के बाद

आग के कारणों का पता लग पाएगा। इस बीच, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जोन की एक विज्ञप्ति में ट्रेन की पहचान हिसार-तिरुपति स्पेशल (ट्रेन संख्या 04717) के रूप में की गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ट्रेन संख्या 04717 हिसार-तिरुपति स्पेशल ट्रेन में एक घटना की सूचना मिली है। खाली ट्रेन को स्टेबलिंग यार्ड में ले जाते समय शंटिंग प्रक्रिया के दौरान सामान्य श्रेणी के एक डिब्बे में आग लग गई, जिसे तुरंत बाकी डिब्बों से अलग कर दिया गया और आग बुझा दी गई। रेलवे जोन ने कहा कि दमकल विभाग की टीम ने आग बुझाने के लिए आवश्यक कदम उठाए और घटना के कारणों की जांच की जा रही है। रेलवे जोन ने कहा कि घटना के कारण तिरुपति रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही में कोई व्यवधान नहीं हुआ।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करेः 9199355950

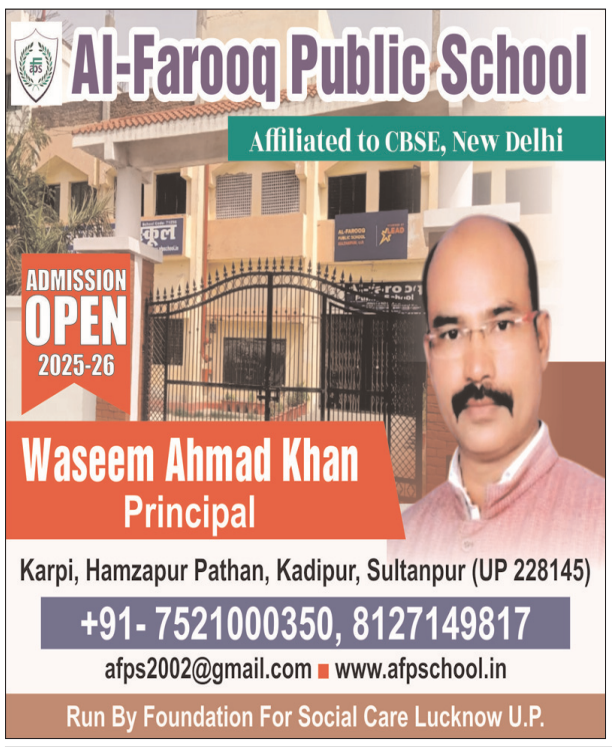

डिजिटल-क्रांति से ही नकली नोटों पर नियंत्रण संभव

-ललित गर्ग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में जारी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने न केवल अर्थव्यवस्था को, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और नागरिकों की जागरूकता को भी झकझोर कर रख दिया है। आरबीआई के गवर्नर द्वारा संसदीय समिति में प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024-25 में 500 रुपए के लगभग 1.8 लाख नोट नकली पाए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 37 प्रतिशत अधिक है। यह संख्या किसी सामान्य अपराध की नहीं, बल्कि राष्ट्र के विरुद्ध एक षड्यंत्र की कहानी कहती है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। यह न केवल नकली मुद्रा के बढ़ते खतरे को रेखांकित करता है, बल्कि राष्ट्रविरोधी तंत्र की सुनियोजित साजिश का भी पर्दाफाश करता है। जबकि 2016 में नोटबंदी के ऐतिहासिक निर्णय के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया था कि भ्रष्टाचार, कालेधन और नकली नोटों के खिलाफ लड़ाई उनकी प्राथमिकताओं में है। नोटबंदी केवल एक आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखने वाला साहसी एवं युगांतरकारी कदम था।

आज भारत को सिर्फ बाहरी सीमाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक युद्ध लड़ना पड़ रहा है, नकली मुद्रा के खिलाफ, भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ और राष्ट्रविरोधी मानसिकता के खिलाफ। इसमें विजय तभी संभव है, जब हम सब डिजिटल भारत के निर्माण में सहभागी बनें। नकली मुद्रा का मुद्दा केवल एक आर्थिक अपराध नहीं है। यह एक प्रकार का आर्थिक आतंकवाद है, जिसका उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना, महंगाई को बढ़ाना, काले धन को बढ़ावा देना और आतंकवाद को वित्त पोषण देना है। ये नकली नोट अधिकतर सीमापार से संचालित तंत्रों द्वारा भारत में भेजे जाते हैं, जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। इस तरह राष्ट्र के विरुद्ध षड्यंत्र, साजिश एवं बड़े खतरों को अंजाम दिया जा रहा है। क्योंकि नकली नोट बाजार में असली नोटों के साथ मिलकर मुद्रा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। आम नागरिक अनजाने में इन्हें ले लेता है और आर्थिक नुकसान उठाता है। यह काले धन और आतंकवाद को पोषित करता है। नकली नोट सरकारी योजनाओं की निष्पक्षता और वितरण प्रणाली को भी प्रभावित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल क्रांति न केवल नकली नोटों को नियंत्रित करने का बल्कि राष्ट्र-विरोधी तत्वों को नेस्तनाबूद करने का सशक्त माध्यम है। यह मोदी की दूरदृष्टि एवं नये भारत-विकसित भारत के विजन की विजय है, जिसके ही विचारों में डिजिटल लेन-देन केवल तकनीक नहीं, यह राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। आज के भारत की अर्थव्यवस्था एक निर्णायक दौर से गुजर रही है। डिजिटल ग्राम योजना, ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता अभियान यानी तकनीक को गाँव और गरीब तक पहुँचाने की पहल है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश डिजिटल इंडिया की ओर तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर नकली नोटों की बाढ़ एक अदृश्य आतंकवाद बनकर देश की अर्थव्यवस्था, समाज और सुरक्षा को चुनौती दे रही है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नग्द लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए। इस संकट की घड़ी में डिजिटल लेन-देन एक बड़ी राहत और समाधान बनकर उभरा है। यूपीआई, भीम मोबाइल वॉलेट्स, नेट बैंकिंग और कार्ड पेमेंट्स जैसे साधन नकली नोटों की समस्या को जड़ से समाप्त करने में सहायक हो सकते हैं। डिजिटल लेन-देन के लाभ ही लाभ है, पूर्ण पारदर्शिता यानी हर लेन-देन का डिजिटल रिकॉर्ड होता है, जिससे भ्रष्टाचार में कमी आती है। कर चोरी, हवाला, और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी काली प्रवृत्तियाँ समाप्त होती है। नकली मुद्रा की संभावनाओं पर विराम लगता है, जिससे राष्ट्र-विरोधी तत्वों के षड्यंत्र एवं साजिशें नाकाम होती है। लेन-देन सेकंडों में पूरा होता है और उनमें सरलता भी रहती है। पासवर्ड आधारित सुरक्षा व्यवस्था से लेन-देन सुरक्षित रहता है। सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लाभार्थियों तक पहुंचता है, पैसा सीधे उनके खातों में पहुँचता है, बिचौलियों की भूमिका समाप्त होती है। जिससे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण होता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हर मंच पर डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने की बात कही है। उन्होंने गाँव-गाँव जाकर लोगों को मोबाइल बैंकिंग, क्यूआर कोड, और कार्ड से भुगतान की शिक्षा देने की मुहिम चलाई है। इसका असर यह है कि आज भारत यूपीआई ट्रांजेक्शन में दुनिया में नंबर 1 है। डिजिटल इंडिया गरीब को ताकत देता है, मिडल क्लास को सुविधा देता है और राष्ट्र को मजबूती देता है। भारत की असली शक्ति अब डिजिटल प्रचलन बन रही है, जहाँ एक बटन से करोड़ों का ट्रांजेक्शन सुरक्षित होता है। मोदी की डिजिटल क्रांति ने भारत को इक्कीसवीं सदी की आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में मजबूत आधार दे दिया है। हम सबकी जिम्मेदारी है कि इस डिजिटल युद्ध में सहभागी बनें, नकली नोटों को ना कहें, डिजिटल लेन-देन को अपनाएं। यही राष्ट्रभक्ति है, यही समय की माँग है। संदिग्ध नकदी की सूचना तुरंत संबंधित एजेंसियों को दें। नकली नोटों की पहचान करना सीखें और दूसरों को भी जागरूक करें। निश्चित ही जहाँ नकली नोट देश की आत्मा को खोखला करते हैं, वहीं डिजिटल मुद्रा राष्ट्र की नींव को मजबूत करती है। निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ-ही-साथ डिजिटल भुगतान से जुड़े घपल्ले एवं घोटाले भी शामिल है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नकली मुद्रा के पीछे कुछ संगठित राष्ट्रविरोधी शक्तियाँ सक्रिय हैं। पाकिस्तान स्थित आईएसआई और उसके सहयोगी संगठनों पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि वे नकली भारतीय मुद्रा भारत में भेजकर आतंकवाद और अलगाववाद को आर्थिक समर्थन देते हैं। देश की सरकार ने डिजिटल इंडिया, जनधन योजना, आधार लिंकिंग, और यूपीआई जैसी क्रांतिकारी योजनाओं के जरिए नकदी पर निर्भरता घटाने का प्रयास किया है। लेकिन यह लड़ाई अकेली सरकार नहीं जीत सकती। नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान है। साथ ही सबसे बड़ी चिंता की बात है कि नोटबंदी के बाद आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी ह्मनकदी ही राजा हैह्म मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

सिद्धारमैया सरकार व उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार में कुछ तो है, बिना चिंगारी के धुवां नही निकलता

अशोक भाटिया

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अफवाहों के बीच, उपमुख्यमंत्री डी.के। शिवकुमार की एक टिप्पणी ने आग में घी डालने का काम किया है। शिवकुमार ने कहा कि जब अवसर आएं तो उन्हें हमेशा लपक लेना चाहिए। उन्होंने बेंगलुरु एडवोकेट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित केम्पेगौड़ा जयंती कार्यक्रम में कहा, 'हम कुर्सी के लिए लड़ते रहते हैं। आप (वकील) दूर बैठे हैं, कह रहे हैं कि आपको कुर्सी नहीं चाहिए। आइए और यहां बैठिए। कुर्सी मिलना मुश्किल है। मिलते ही उस पर बैठना सीख लीजिए। लगता है आप सब त्याग कर रहे हैं। इतनी अच्छी कुर्सियां यहां हैं- अवसर कम ही मिलते हैं। जब मिले, तो उसका उपयोग कीजिए।'

कुर्सी मिलने पर उसे कसकर पकड़े रहने के बारे में शिवकुमार की टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने खूब ठहाके लगाए। दिल्ली से लौटे शिवकुमार ने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि सिद्धारमैया ने कर्नाटक के नेतृत्व के भविष्य के बारे में कांग्रेस हाई कमान के फैसले से अवगत कराकर पहले ही सभी भ्रम दूर कर दिए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ चल रही सत्ता की खींचतान के बीच आई इस परोक्ष टिप्पणी ने कर्नाटक का कांग्रेस सरकार के नेतृत्व के भविष्य को लेकर नई अटकलों को जन्म दे दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने गुरुवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ बैठक के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अफवाहों को खारिज कर दिया था परन्तु मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा पूरे पांच साल तक पद पर बने रहने की बात दोहराए जाने के कुछ दिनों बाद भी कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर असमंजस बरकरार है।रविवार को, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकीहोली के समर्थकों ने चित्रदुर्ग में नारे लगाए कि वे ही अगले मुख्यमंत्री होंगे, जबकि दो वरिष्ठ मंत्रियों ने श्री सिद्धारमैया को अपना समर्थन जारी रखा। यह ऐसे समय में हो रहा है जब मुख्यमंत्री खेमा 19 जुलाई को अपने गृह ज़िले मैसूर में 'साधना समावेश' कार्यक्रम को, जहाँ कई विकास कार्यों का शुभारंभ होगा, अपने गृह क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन रैली के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। इस कार्यक्रम में राज्य के नेताओं के अलावा, केंद्रीय नेताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि समन्वय के अभाव में पिछली बार कर्नाटक में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी थी और अब यहां कांग्रेस के सत्ता में आने के दो साल बाद भी नेतृत्व परिवर्तन की मांग जोर पकड़ रही है, जहां उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का गुट ढाई साल के समझौते की ओर इशारा कर रहा है, लेकिन पार्टी सिद्धारमैया की जगह नहीं लेगी, जिससे पार्टी के भीतर दरार और मध्य प्रदेश या राजस्थान जैसी स्थिति पैदा हो सकती है।

इससे स्पष्ट होता है कि कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार में सब कुछ ठीक नहीं है। उपमुख्यमंत्री डी.के . शिवकुमार और मुख्यमंत्रियों के एक समूह ने हाल ही में नेतृत्व परिवर्तन के दावे करना शुरू कर दिया है। कुछ नेता अपनी ही सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, दूसरों ने मीडिया में बयान दिए हैं कि विकास का आरोप लगाया है। इससे पार्टी के भीतर राजनीतिक संघर्ष उजागर हो गया है लेकिन सरकार में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल को वह कितना समझ पाते, इसमें संदेह है।इसकी वजह यह है कि नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। अगर आप इस बात पर गौर करें कि सुरजेवाला को कर्नाटक क्यों आना पड़ा, तो असली वजह साफ है। पिछले एक हफ्ते में पार्टी के भीतर कई ऐसे बयान सामने आए हैं जिनसे कांग्रेस सरकार के अस्तित्व पर सवाल खड़ा हुआ है। उधर, विधायक राजू कागेने बिगड़ती प्रशासनिक व्यवस्था का मुद्दा उठाया।लगभग उसी समय, कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने सरकार बदलने का मुद्दा उठाया। एक बयान में, उन्होंने कहा था कि पार्टी आलाकमान के दिमाग में कुछ बड़ा चल रहा था। सरकार बदलने की संभावना है। डीके शिवकुमार के समर्थक होने के नाते इकबाल ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कांग्रेस पार्टी आलाकमान के समक्ष ढाई साल के फॉमूर्ले पर चर्चा की गई थी।

उन्होंने अब पार्टी आलाकमान को याद दिलाया था कि डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के समर्थक ऐसे किसी भी फॉमूर्ले को खारिज कर रहे हैं। इस बीच, सिद्धारमैया के बेटे को भरोसा है कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। नेतृत्व परिवर्तन पर कर्नाटक कांग्रेस में चल रहे सुंदोपसुंडी और विरोधाभासी बयानों से पार्टी आलाकमान परेशान है। इसीलिए उन्होंने सुरजेवाला को बेंगलुरु भेज दिया।अब पता चला है कि ऐसे सभी नेताओं को सुरजेवाला के जरिए चेतावनी दी गई है। कहा जाता है कि उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के बयान देने से बचने की सलाह दी गई है। सुरजेवाला ने कुछ नेताओं के साथ निजी चर्चा भी की। विधायकों से मिलने के उनके फैसले को नेतृत्व के विभिन्न धड़ों द्वारा सिद्धारमैया कैबिनेट में संभावित फेरबदल या यहां तक कि नेतृत्व परिवर्तन के बारे में विधायकों के दिमाग को भांपने के प्रयास के रूप में देखा गया था। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान ने नेतृत्व परिवर्तन से इनकार किया है।

वैसे इन अटकलों पर विराम लग गया है कि सिद्धारमैया इस साल के अंत तक शिवकुमार को मुख्यमंत्री बना देंगे। शिवकुमार गुट के विधायक पिछले कुछ समय से दोनों के बीच ढाई साल के टर्म-शेयरिंग फॉमूर्ले की भविष्यवाणी कर रहे हैं। सिद्धारमैया गुट ने ऐसे किसी भी समझौते के अस्तित्व से इनकार किया है। इसके बजाय, उन्होंने शिवकुमार के दो पदों पर रहने का मुद्दा उठाया है। पार्टी सूत्रों ने भी संकेत दिया है कि फिलहाल नेतृत्व परिवर्तन की कोई बात नहीं है और सिद्धारमैया गुट के सूत्रों को भरोसा है कि वह पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री के करीबी एक नेता ने कहा कि वह कांग्रेस के एकमात्र पिछड़े वर्ग के मुख्यमंत्री थे। शीर्ष अधिकारियों ने हाल ही में एक डइउ सलाहकार परिषद का गठन किया था जिसमें पार्टी के लगभग दो दर्जन वरिष्ठ पिछड़े वर्ग के नेता शामिल थे। परिषद की पहली बैठक जल्द ही बेंगलुरु में आयोजित की जा रही है। बैठक के बाद सिद्धारमैया उनके लिए रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे। पार्टी आलाकमान एक डइउ नेता को कैसे हटा सकता है? यही सवाल पूछा जा रहा है। कांग्रेस आलाकमान के सूत्रों ने कहा कि सुरजेवाला के दौरे का उद्देश्य नेतृत्व के एक वर्ग के बीच उबल रही हताशा को दूर करना था। एक-दो विधायकों ने धन आवंटन को लेकर खुलकर अपनी निराशा जाहिर की। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मिश्रित संकेत देते हुए कहा था कि यह आलाकमान के हाथ में है। कोई नहीं बता सकता कि आलाकमान के दिमाग में क्या चल रहा है। आलाकमान को आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है; लेकिन किसी को भी अनावश्यक समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए। खड़गे ने अक्टूबर में नेतृत्व परिवर्तन के दावों के बारे में राज्य के कुछ कांग्रेस नेताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, 'सुरजेवाला की रिपोर्ट और उनसे मिले फीडबैक के आधार पर हम फैसला करेंगे कि क्या कदम उठाए जाएं। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने फैसला लिया। हर कोई यह जानता है। वे अगला निर्णय भी लेंगे।अब इंतजार करना होगा और देखना होगा; हालांकि, ताजा घटनाक्रम के मुताबिक उनके बयान का कोई मतलब नहीं है। सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि वह पांच साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। सिद्धारमैया और शिवकुमार की हाथ में हाथ उठाए हुए तस्वीर प्रकाशित होने के बाद उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे, हमारे बीच कोई टकराव नहीं है।लेकिन उनका अगला वाक्य अधिक महत्वपूर्ण है: अगर पार्टी आलाकमान ऐसा करने का फैसला करता है तो मैं क्या करूंगा, मेरे सामने क्या विकल्प हैं?₹ उन्होंने सवाल किया कि क्या यह तूफान से पहले की शांति थी, पार्टी के फैसले के खिलाफ उनके रुख और शिवकुमार और शशि थरूर के भाजपा में शामिल होने की चर्चा को देखते हुए।

दरअसल एक समूह चाहता है कि सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बने रहें, जबकि दूसरा समूह शिवकुमार के लिए मार्ग प्रशस्त करना चाहता है। शिवकुमार समूह के अनुसार, सरकार के कार्यकाल के बीच में नेतृत्व बदलने के लिए एक समझौता हुआ था। इस दावे को मुख्यमंत्री के समूह ने खारिज कर दिया है। सितंबर के बाद, सहकारिता मंत्री के।एन। राजन्ना के बयान के बाद बदलावों के बारे में अटकलें फिर से शुरू हो गई थीं, जिन्होंने सितंबर के बाद 'क्रांतिकारी' राजनीतिक घटनाक्रम का संकेत दिया था। मैं सुरजेवाला से मिला हूं।सिद्धारमैया के करीबी राजन्ना ने यह भी संकेत दिया था कि शिवकुमार की जगह लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीश जारकीहोली अगले राज्य अध्यक्ष के रूप में होंगे। पार्टी हलकों में कैबिनेट फेरबदल की भी चर्चा थी। कर्नाटक कांग्रेस के विधायक एचए इकबाल हुसैन ने दावा किया था कि शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों में राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। सभी जानते हैं। सभी जानते हैं कि इस जीत को हासिल करने के लिए कौन लड़ा, पसीना बहाया और कड़ी मेहनत की।पारी के कुछ नेताओं को विश्वास है कि पार्टी आलाकमान स्थिति से अवगत है और डी. शिवकुमार को मौका देने के लिए सही समय पर सही निर्णय लेगा। हुसैन ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस आलाकमान ने सरकार बनाने का फैसला किया। उस समय हम सब दिल्ली में एक साथ थे।

श्रद्धा, सेवा और शिवत्व से गूंजती काशी

-सुरेश गांधी

श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव की नगरी काशी में आस्था का ऐसा प्रवाह दिखा, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के सामने कोई मौसम, कोई दूरी मायने नहीं रखती। प्रातः श्री काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती के साथ मास का श्रीगणेश हुआ। इसके पश्चात गोदौलिया व मैदागिन की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया। कड़ाके की बारिश और उमस भरे वातावरण में भी श्रद्धालुओं की आस्था टस से मस नहीं हुई। घंटों इंतजार के बाद भी चेहरों पर थकान नहीं, हर हर महादेव के जयकारे थे। घाटों पर रुद्राभिषेक, मंदिरों में भजन कीर्तन और गलियों में गूंजते हर हर महादेव के स्वर वातावरण को भक्तिमय बना रहे हैं। हैं। खास यह है कि 1932 से चली आ रही इस परंपरा के तहत इस वर्ष भी 50,000 से अधिक यादवबंधुओं ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया. इनमें से 21 चुनिंदा यादव प्रतिनिधियों को गर्भगृह तक जाकर जल चढ़ाने की अनुमति दी गई. यह एक बड़ा सम्मान है और इससे समाज की वर्षों पुरानी आस्था और समर्पण का पता चलता है। तो दुसरी तरफ दुकानों पर रुद्राक्ष, बेलपत्र, शिव-पार्वती चित्र और माला की खरीदारी जोरों पर है।

वैसे भी इस वर्ष कांवड़ यात्रा और काशी दर्शन का दुर्लभ संयोग बना है। हजारों कांवड़िये गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करने पहुंचे। जिनके कंधों पर कांवड़, माथे पर चंदन और मन में ह्वबोल बमह्व के उद्घोष थे, उन्होंने पूरे मार्ग को शिवमय कर दिया। इन जलधारियों के स्वागत में रास्ते भर सेवा शिविर, चाय-पानी, आराम स्थल और चिकित्सा केंद्र प्रशासन व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सुसज्जित किए गए। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर मंदिर परिसर तक हर बिंदु पर कांवड़ियों के लिए विशेष ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बता दें, काशी केवल बाबा विश्वनाथ का धाम ही नहीं, बल्कि 84 कोटि शिवलिंगों की पावन भूमि है।

श्रावण सोमवार को महामृत्युंजय महादेव, संकटमोचन, केदारेश्वर, ओंकारेश्वर, रत्नेश्वर महादेव, भीमशंकर, तेजोमहालाय (विश्वेश्वर लिंग) आदि प्राचीन शिवालयों में रुद्राभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। महामृत्युंजय मंदिर में विशेष जड़ी-बूटी युक्त जलाभिषेक किया गया। संकटमोचन मंदिर में भक्तों ने हनुमानजी के समक्ष शिव नाम का जाप करते हुए जल चढ़ाया। अन्नपूर्णा मंदिर में महादेव व अन्नपूर्णेश्वरी का सामूहिक पूजन विशेष आकर्षण रहा। मतलब साफ है यह केवल दर्शन नहीं, काशी की शिवमयी चेतना का उत्सव था। श्रावण मास केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारत की आस्थाओं, परंपराओं और जन-समूह की आत्मा का उत्सव है। यह वह समय होता है जब गाँव-शहर से लेकर तीर्थधामों तक शिवभक्ति का अजस्त्र प्रवाह बहता है। काशी जैसे नगरों में यह केवल एक मासिक उत्सव नहीं, लोकजीवन की गहराइयों में पैठा एक संस्कार है, जहां श्रद्धा, सेवा और संकल्प तीनों एक ही छाया में मिलते हैं। यह वह महीना है जब प्रकृति, पुरुष और परमात्मा का त्रिवेणी संगम होता है। काशी में श्रावण, शिव और सेवा, तीनों एक साथ मिलकर वह वातावरण रचते हैं, जिसे केवल देखा नहीं, अनुभव किया जाता है. कांवड़ियों के स्वागत में राष्ट्रीय राजमार्ग से धाम तक कई सेवा शिविर, स्वास्थ्य सहायता बूथ, शीतल पेय केंद्र, मोबाइल टॉयलेट्स आदि की व्यवस्था की गई थी। बोल बम के नारों से संपूर्ण नगर शिवमय हो उठा। काशी पहुंचे श्रद्धालु अपने अनुभव साझा करते हुए भावविभोर दिखे। प्रयागराज से आए शिवाकांत बोले, हर साल बाबा का जलाभिषेक करता हूं, लेकिन इस बार की व्यवस्था अद्भुत रही। प्रशासन से लेकर स्थानीय लोगों तक, सभी ने हमें सेवा दी। वहीं कानपुर से आई रेखा देवी ने कहा, सड़क से लेकर मंदिर तक हर जगह फूल, भक्ति और भव्यता है। शिव की नगरी में शिवत्व की अनुभूति होती है। बारिश में भी भीगते हुए हर कदम पर बोल बम की ताकत थी। प्रतापगढ़ के रजनीश ने कहा, हम पहली बार काशी आए हैं, लेकिन लगता है जैसे वर्षों से यहीं हैं।

बाबा का आशीर्वाद और काशीवासियों की सेवा दोनों अतुल्य हैं। पंजाब से आए 70 वर्षीय दर्शन सिंह ने कहा, पिछले वर्ष स्वास्थ्य ठीक नहीं था, लेकिन बाबा ने इस बार बुलाया है। जब काशी आता हूं, तो लगता है जीवन सफल हो गया। वहीं महाराष्ट्र से आई रेखा बाई ने कहा, धूप हो या बारिश, हम तो शिव जी के लिए आए हैं। बाबा के दर्शन से सारी थकावट खत्म हो जाती है। श्रद्धालुओं की विशाल उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पहले से ही अपनी तैयारी पुख्ता कर ली थी। धाम क्षेत्र में 24 घंटे पेयजल केंद्र, चिकित्सा सहायता हेल्प डेस्क, खोया-पाया केंद्र, पुलिस सहायता बूथ एवं क्यू मैनेजमेंट सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए क्रियाशील रहीं।

नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, स्मार्ट सिटी टीम और स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से पूरे धाम क्षेत्र को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा गया। गंगा घाटों पर साफ-सफाई के साथ स्नान को सुरक्षित और संयमित बनाया गया। खास यह है कि मंगला आरती के उपरांत गोदौलिया और मैदागिन की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं पर भव्य पुष्पवर्षा की गई। इस स्वागत समारोह में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, विशेष कार्याधिकारी पवन प्रकाश पाठक, नायब तहसीलदार मिनी एल शेखर समेत कई अधिकारी स्वयं मौजूद रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी की।

श्रावण सोमवार पर बाबा दरबार में उमड़ा जनसैलाब, कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के स्वागत में पग-पग पर सेवा. शिवालयों में रुद्राभिषेक, चहुंओर ह्वहर-हर महादेवह्व के स्वर ने एक बार फिर यह प्रमाणित कर दिया कि जब बात श्रद्धा की हो, तो आस्था की धाराएं हर बाधा को बहा ले जाती हैं। ह्वश्रद्धा जब सेवा से जुड़ती है, तो वह केवल भक्ति नहीं रह जाती, एक युगचेतना बन जाती है ह्व प्रातः श्री काशी विश्वनाथ धाम में मंगला आरती के साथ श्रावण की शुरूआत ऐसी भक्ति और उल्लास के संग हुई, जिसकी अनुभूति शब्दों में नहीं, केवल मन में संभव है। सुबह से ही बाबा दरबार में दर्शन को उमड़ी अपार भीड़ ने हर एक मोड़ पर बता दिया कि काशी शिव की है, और शिव के नाम पर देश जुड़ता है। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक से श्रद्धालु काशी पहुंचे। शिवभक्त कांवड़िये हरिद्वार, गंगोत्री व अन्य तीर्थों से जल लेकर बाबा के दर पर पहुंचे। शिवरात्रि की भांति शिवालयों में गंगा जलाभिषेक दौर शुरू हुआ तो बगैर कतार टूटे अनवरत जारी रहा

मिट्टी बता रही खेती में आधुनिकता लाएं

-सचिन त्रिपाठी

एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज मिट्टी- एक नई पहचान एक ऐसे समय में आई है, जब भारत का ग्रामीण परिदृश्य कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। मौसम, मूल्य, बाजार और मानसिकता के स्तर पर। यह सीरीज न केवल आत्म-खोज और शहर बनाम गांव की बहस को छूती है बल्कि खेती को एक केंद्रीय बिंदु बनाकर मौजूदा पीढ़ी के भीतर उस मिट्टी की पुकार को फिर से जागृत करती है जिसे हमने शहरी सपनों की दौड़ में पीछे छोड़ दिया है।

मिट्टी के नायक राघव, जो एक विज्ञापन एजेंसी में ऊंचा ओहदा रखते हैं, जब अपने दादा की मृत्यु के बाद गांव लौटते हैं, तो वो अपने ही बचपन, जमीन, रिश्तों और स्मृतियों से दोबारा मिलते हैं। उनके भीतर एक टकराव शुरू होता है। एक ओर कॉर्पोरेट दुनिया की तड़क-भड़क, और दूसरी ओर खेती-किसानी की सहज लेकिन उपेक्षित दुनिया। कहानी यहां से एक रूपक बन जाती है ऐसे लाखों युवाओं की जो कृषि पृष्ठभूमि से हैं लेकिन शहरी जीवनशैली ने उन्हें खेत की गंध से दूर कर दिया। मिट्टी उन्हें यह एहसास दिलाती है कि खेती अब केवल बैलों और हल की बात नहीं रह गई बल्कि यह नवाचार, तकनीक और प्रबंधन का केंद्र बन चुकी है।

खेती अब केवल अनाज उगाने का जरिया नहीं रही, यह आत्मसम्मान और स्वावलंबन की भी कहानी है। जब राघव गांव लौटते हैं तो वह खेती के पुराने तौर-तरीकों को समझते हैं लेकिन साथ ही उसे नए दृष्टिकोण से देखते हैं। इस टकराव में जो ह्मनई पहचान उभरती है, वह सिर्फ एक आदमी की नहीं, बल्कि उस पूरी युवा पीढ़ी की है जो अब खेती को एक ह्मसम्मानजनक पेशा मानने लगी है। खेती में वैज्ञानिकता, डेटा एनालिटिक्स, मार्केट स्ट्रेटेजी और ब्रांडिंग जैसे तत्व शामिल हो चुके हैं। मिट्टी यही बात संकेतों में कहती है कि अब किसान केवल हल नहीं चलाता, वह डिजिटल इंडिया का हिस्सा है।

सीरीज का यह पहलू बेहद महत्वपूर्ण है कि गांव अब केवल माइग्रेशन का बिंदु नहीं रह गया है बल्कि यह एक ऐसी प्रयोगशाला बन सकता है जहां खेती के जरिए नवाचार और सतत विकास की नींव रखी जा सकती है। राघव जब गांव में बदलाव की कोशिश करता है तो उसे केवल खेत ही नहीं, लोगों की सोच भी बदलनी पड़ती है। यही भारत का आज का यथार्थ है। खेती तभी बदलेगी जब समाज की मानसिकता बदलेगी और मानसिकता तभी बदलेगी जब पढ़े-लिखे, प्रतिभाशाली युवा खेती को अपनाएंगे ना कि उसे छोड़ेगे।

मिट्टी में परोक्ष रूप से जैविक खेती, स्थानीय ब्रांडिंग, महिला किसानों की भागीदारी और कृषि-उद्यमिता जैसे विषय उठाए गए हैं। यह दिखाता है कि खेती अब एक अकेला काम नहीं बल्कि एक समन्वित सामाजिक-आर्थिक मॉडल है। एक उदाहरण के रूप में राघव द्वारा अपने गांव के उत्पादों को बाजार से जोड़ने की कोशिश इस ओर इशारा करती है कि कैसे खेती केवल खेत तक सीमित न रहकर, ब्रांडिंग और वैश्विक बाजार तक पहुंच बना सकती है। यह वर्तमान भारत की सबसे बड़ी जरूरत है फार्म टू मार्केट के बीच की खाई को भरना। राघव का संघर्ष केवल एक पेशेवर और किसान के बीच का संघर्ष नहीं है, वह एक आधुनिकता और परंपरा के बीच की गहरी लड़ाई है। जब वह खेतों में खड़ा होता है तो उसे अपने दादा की सीख, मिट्टी की खुशबू और रिश्तों का भार महसूस होता है लेकिन जब वह गांव के लोगों से बात करता है तो उसे अहसास होता है कि खेती केवल भावना नहीं, प्रबंधन की भी मांग करती है। यह द्वंद्व हमें भी अपने आसपास देखने को मिलता है जहां कई लोग खेती से भावनात्मक रूप से तो जुड़े हैं, लेकिन उसे जीवन यापन का व्यावहारिक विकल्प नहीं मानते।

मिट्टी यही दशार्ती है कि भावनात्मक जुड़ाव और पेशेवर दक्षता जब एक साथ आती हैं, तभी खेती एक विकसित भारत की रीढ़ बन सकती है। मिट्टी एक नई पहचान कोई प्रचार सामग्री नहीं है, न ही यह केवल मनोरंजन है। यह एक सांस्कृतिक पुकार है। उन लाखों युवाओं के लिए जो अपने पूर्वजों की जमीन से कट चुके हैं। यह कहानी हमें यह बताती है कि खेती केवल एक काम नहीं, यह जीवन-दर्शन है। और जब एक पढ़ा-लिखा युवा खेती की ओर लौटता है, तो वह केवल खेत नहीं जोतता, वह भविष्य को बोता है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, तब हमें खेती को केवल गरीब की मजबूरी नहीं, राष्ट्र की पूंजी समझने की आवश्यकता है। मिट्टी इसी सोच का अंकुरण है।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मुंबई ने डायबिटीज से जूझ रही गर्भवती महिला की हाई-रिस्क डिलीवरी को सफलतापूर्वक संभाला

मुंबई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, बई ने हाल ही में 32 वर्षीय पहली बार गर्भवती महिला की एक दुर्लभ और जटिल डिलीवरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस महिला को कॉर्ड प्रेजेंटेशन, ऑब्लिक लाइ और गेस्टेशनल डायबिटीज मेलिटस जैसी जटिलताएं थीं। डॉक्टरों ने बताया कि महिला ने प्राकृतिक रूप से गर्भधारण किया था और शुरूआत में उसकी गर्भावस्था सामान्य रूप से आगे बढ़ रही थी। पहले ट्राइमेस्टर में किया गया नुचल ट्रांसलुसेंसी स्कैन और ड्यूल मार्कर टेस्ट सामान्य थे, और 18वें सप्ताह में हुआ एनोमली स्कैन भी ठीक आया था। हालांकि 28वें सप्ताह तक आते-आते समस्याएं सामने आने लगीं - भ्रूण अपनी आयु के हिसाब से अपेक्षाकृत बड़ा था और माँ को प्रेग्नेंसी से जुड़ी लिवर संबंधी हल्की समस्या (इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस) और गेस्टेशनल डायबिटीज का पता चला। उसे दिन में दो बार मेटफॉर्मिन 500 मि.ग्रा. और रात में सेटिरिजिन 10 मि.ग्रा. दी गई ताकि ब्लड शुगर कंट्रोल में रहे और खुजली में राहत मिले। 32वें हफ्ते में कराए गए कलर डॉप्लर स्कैन की रिपोर्ट सामान्य आई, जिससे थोड़ी राहत मिली।

वरिष्ठ पत्रकार एवं पालघर की आवाज के संपादक के. वी. नारायणन का निधन, पत्रकारिता जगत में शोक की लहर

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर की आवाज समाचार पत्र के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार के. वी. नारायणन का दुखद निधन दिनांक 13 जुलाई 2025 को दोपहर 12:00 बजे हो गया। वे बीएआरसी कॉलोनी, टाइप-सी बिल्डिंग नं. 86/16 में निवासरत थे। स्व. नारायणन पत्रकारिता क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम थे। उन्होंने वर्षों तक निडर और निष्पक्ष पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं को उजागर किया और जनहित की आवाज को सशक्त मंच प्रदान किया। उनकी लेखनी में समाज की सच्चाई और जनभावनाओं की स्पष्ट झलक मिलती थी। उनके निधन से पालघर के पत्रकारिता क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। के वी नारायणन की सादगी, ईमानदारी और निर्भीकता पत्रकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगी। ₹पालघर की आवाज₹ समाचार पत्र के संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार के. वी. नारायणन के दुखद निधन पर मीडिया जगत, सामाजिक कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिकों ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है तथा उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख की घड़ी में सहन शक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

महाराष्ट्र में जो भाषा विवाद चल रहा है वह हिंदूओं की तोड़ने की साज़िश है : अवधेश मिश्रा पत्रकार

मुंबई (उत्तर शक्ति)। महाराष्ट्र में जो भाषा विवाद चल रहा है । वह हिंदूओं की एकता और अखंडता तथा संप्रभुता को तोड़ने की एक साजिश रची जा रही है। और यह देश के लिए खतरा है। ये घटनाएं ऐसे क्षेत्रों में हो रही है जहां पर राज ठाकरे को नोटा से भी कम वोट मिले हैं। जहां पर आबादी उत्तर भारतीयों और राजस्थान, गुजरातीओं की जनसंख्या अधिक है। उन लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जो गरीब असहाय, मजदूर और रिक्शा चालक है। आप ये बताएं किसी इंसान की नौकरी एक राज्य से दुसरे राज्य में तबदाला होता है तो हम कितनी भाषा सीखेंगे । ये देश किसी नेता के हिसाब से चलेगा की , संबिधान से चलेगा । आप मुझे ये बताओ फोज मैं जितने फौजी काम कर रहे हैं वो हर राज्य से है । मराठा रेजिमेंट के फौजी तो ये नहीं बोलते की मैं मराठी हूं , मराठी मानुष की ही सुरक्षा करुंगा । राजपूताना रेजिमेंट, पंजाब रेजिमेंट तथा गोरखा रेजीमेंट है। ये लोग ये नहीं कहते हैं कि हम अपने अपने समाज की सुरक्षा करेंगे। लेकिन राज्य के हर सीमा को सुरक्षित रखते हैं। और ये हर राज्य के सीमा पर तैनात है क्या उनको वहां की भाषा सीखना पड़ेगा ये भारत देश है और हम भारत वाशी है । कोई किसी भी राज्य में जा सकता है । जिसको जो भाषा आती है वो बोल सकता है । देश संविधान से चलेगा । गुंडागर्दी से नहीं, गरीब के ऊपर जो भाषा को लेकर अत्याचार हो रहा है । मैं सरकार से यही कहुंगा ऐसे नेता और गुडों को जेल भेजा जाए जो देश तोड़ने का काम कर रहे हैं । तथा उन पर देश द्रोह का मुकदमा चलाया जाएं।

कल्याण में हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत

मुंबई। नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई ने आज शहर स्थित न्यूटेक डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से वयस्कों और बच्चों के लिए समर्पित हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत की। यह पहल लिवर व गैस्ट्रो संबंधी बीमारियों के समय पर निदान और इलाज को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन ओपीडी सेवाओं की शुरूआत नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल की उपस्थिति में हुई। उनके साथ लिवर, पैंक्रियाज और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के विशेषज्ञों की एक टीम भी उपलब्ध रहेगी। यह टीम हर महीने के पहले और दूसरे शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक परामर्श सेवा देगी। यह ओपीडी सेवा न्यूटेक डायग्नोस्टिक सेंटर, बरवे रोड, शेलार पार्क के पास, खडकपाड़ा, कल्याण में उपलब्ध होगी। इस अवसर पर नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल ने कहा, ह्लिवर संबंधी रोग गंभीर स्वास्थ्य संकट बनते जा रहे हैं, जो समय पर इलाज न मिलने पर लिवर फेलियर जैसी जटिल स्थितियों का कारण बन सकते हैं। भारत के कई हिस्सों में अनुवांशिक कारणों, निष्क्रिय जीवनशैली और पर्यावरणीय कारणों से तीव्र और दीर्घकालिक लिवर रोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

कल्याण में इन ओपीडी सेवाओं की शुरूआत का उद्देश्य है उच्च जोखिम वाले वयस्कों और बच्चों की जांच कर समय पर चिकित्सा सहायता देना, जिससे इस क्षेत्र में लिवर और गैस्ट्रो से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके। डॉ. चौबल ने लिवर फेलियर के कुछ प्रमुख लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि बार-बार बुखार आना, पीलिया, गहरा पेशाब, सफेद मल, पेट में सूजन और अचानक वजन घटना गंभीर संकेत हो सकते हैं। इसके अलावा लगातार थकान, उलटी, और त्वचा पर आसानी से नीला पड़ना जैसी समस्याएं भी तत्काल चिकित्सकीय जांच की मांग करती हैं। कल्याण में इन ओपीडी सेवाओं की शुरूआत नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है कि भारत भर में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएं और किसी भी व्यक्ति का स्वास्थ्य केवल संसाधनों की कमी या जागरूकता के अभाव में खतरे में न पड़े।

मराठी भाषा का सम्मान, परंतु अन्य भाषाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं : नरेंद्र मेहता

भायंदर (उत्तरशक्ति)। वीरों और संतों की भूमि महाराष्ट्र ने हम सबको बहुत कुछ दिया है। हमारे जीवन में जो कुछ भी उपलब्धि है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान महाराष्ट्र का है। यही कारण है कि हम मराठी भाषा का सबसे अधिक सम्मान करते हैं, परंतु अन्य भाषाओं का अपमान हमें बर्दाश्त नहीं। मीरा भायंदर के युवा भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्रा के जन्मदिन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक नरेंद्र मेहता ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर महाराष्ट्र की गौरवशाली परंपरा को कायम रखना है। श्री मेहता ने कहा कि एडवोकेट राजकुमार मिश्रा उच्च शिक्षित होने के साथ-साथ समाज में लोकप्रिय युवा हैं, यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर समाज के प्रमुख लोग उन्हें अपनी शुभकामनाएं देने आए हैं। समारोह के विशेष सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने कहा कि राजकुमार मिश्रा हमेशा लोगों के दुख सुख में खड़े रहे, यही कारण है कि आज समाज उनके साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। प्रख्यात भवन निमार्ता उमराव सिंह ओस्तवाल ने कहा कि राजकुमार मिश्रा सबको साथ लेकर चलनेवाले व्यक्ति हैं, ऐसे व्यक्ति को राजनीति में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रमेश दुबे ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों

के रूप में उपस्थित लोगों में वरिष्ठ पत्रकार ब्रजमोहन पांडे, वरिष्ठ नगरसेवक रोहिदास पाटील, श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, मुंबई महानगरपालिका में गटनेता विनोद मिश्रा, डॉ राधेश्याम तिवारी, डॉ हृदयनारायण मिश्रा, पंडित कमला शंकर मिश्रा, उत्तर भारतीय संघ के उपाध्यक्ष संजय सिंह, समरस फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह, शिवसेना प्रवक्ता गुलाब दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप जैन, 145 विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास , पूर्व उपमहापौर हंसमुख गहलोत, पूर्व उप महापौर प्रवीण पाटिल, शंकर विरकर, मंडल अध्यक्ष योगिता शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता समरनाथ पांडे, प्रिंसिपल वीसी सिंह, क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह, परशुराम सेना के राष्ट्रीय संरक्षक अरविंद उपाध्याय, उमाशंकर तिवारी पुरुषोत्तम पांडे, एडवोकेट आरजे मिश्रा, अभयराज चौबे, शनि मंदिर के महंत शास्त्री सुरेश ओझा, नगरसेवक मनोज रामनारायण दुबे, नगरसेवक मुन्ना सिंह, भाजपा प्रवक्ता शैलेश पांडे, नगरसेविका स्नेहा पांडे, नरेंद्र गुप्ता, सुशील पोद्दार, पुलिस अधिकारी जितेंद्र सिंह, बांद्रा बार असोसिएशन के महासचिव वीरेंद्र शुक्ला, एडवोकेट प्रवीण पाटील , जटाशंकर पांडे, रमेश चंद्र मिश्रा, एडवोकेट एच आर शर्मा, रामचंद्र प्रजापति, रामजनम गुप्ता , डॉक्टर कन्नौजिया, डॉक्टर राजेश तिवारी, कैलाश यादव, आशीष लोढ़ा ,सुरेंद्र मिश्रा, अदालत पांडे, सुरेंद्र पांडे, विनायक खरात, किशन सिंह बिष्ट आदि का समावेश रहा। लोक गायक मुकेश त्रिपाठी, रागिनी प्रजापति तथा राजू दुबे द्वारा गाए गीतों का लोगों ने लुफ्त उठाया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया तथा भाजपा नेता बृजेश तिवारी तथा श्री रामलीला समिति भायंदर के अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप मिश्रा, प्रदीप सिंह, मयूर दुलेरा, उत्तम सिंह, उत्तम चौबे, वीरेंद्र सिंह, सत्यम दुबे आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सफाई कामगारों को बरसात में रेनकोट न देने पर आंदोलन की धमकी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इस साल मुंबई में बारिश मई माह में ही शुरू हो गई। बारिश शुरू हुए डेढ़ महीने हो गए हैं, फिर भी बृहन्मुंबई महानगर पालिका के घनकचरा विभाग के कर्मचारियों को रेनकोट नहीं दिया गया हैं। जबकि भारी बारिश के बावजूद, मुंबई को साफ और सुंदर बनाए रखने के लिए कर्मचारी अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। यही नहीं सफाई कर्मचारी बारिश में भीगकर सफाई कार्य करते हैं। जिससे बुखार और खांसी जैसी कई बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। विशेषकर वार्ड क्रमांक 170 के पूर्व नगरसेवक कप्तान मलिक ने 18 जून को ही सहायक आयुक्त एल विभाग व घन कचरा विभाग एल वार्ड के संबंधित

अधिकारियों को लिखित पत्र भी दिया जा चुका है। लेकिन मनपा अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई भी निर्णय नहीं लिया गया है। आगामी दिनों में घन कचरा विभाग के कर्मचारियों को रेनकोट न मिलने पर कप्तान मलिक ने एल विभाग कार्यालय पर भूख हड़ताल पर बैठने की धमकी दी है।

कर्ज में डूबे युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर की आत्महत्या

मलंगगढ़ के कुशिवली गाँव के जंगल की घटना

कल्याण (उत्तरशक्ति)। मलंगगढ़ के कुशिवली गाँव जंगल में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, कर्ज में डूबे एक युवक ने आत्महत्या कर ली। कल्याण पूर्व के संतोषनगर निवासी किरण परब (25) ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर ली।

सोमवार सुबह किरण अपने दोपहिया वाहन से घर से यह कहकर निकला कि वह काम पर जा रहा है ।लेकिन वह काम पर नही जाते हुवे बल्कि नेवाली परिसर के कुशिवली इलाके में गया था। वहाँ उसने अपना दोपहिया वाहन खड़ा किया। उसने दोपहिया वाहन से पेट्रोल निकाला और खुद पर डाल लिया। इसके बाद उसने खुद को

आग लगा ली। आग में जलते हुए किरण का एक वीडियो सामने आया है। इस घटना की जानकारी मिलते ही कुशिवली इलाके के स्थानीय लोग मौके पर पहुँचे। नागरिकों ने हिललाइन पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही हिल लाइन पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। तब तक किरण आग में जलकर मर चुका था । किरण ने एक निजी बैंक से 3 लाख 50 हजार रुपये का कर्ज लिया था। बताया गया है कि घर में सोने के गहनों पर उसने 1 लाख 50 हजार रुपये का कर्ज.भी लिया था। किरण को ऑनलाइन गेम खेलने की लत थी। इसी वजह से वह कर्ज.में डूब गया था। बताया जा रहा है कि उसने आत्महत्या कर ली। खुद को आग लगाते हुए उसने अपना मोबाइल फोन भी जला दिया। हिल लाइन पुलिस ने उसके परिवार को घटना की सूचना दे दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल भेज दिया है। इस पूरे घटना की जांच पुलिस कर रही है।

भचाऊ प्रमुख कुलदीप सिंह उर्फ राजा भैया का साकीनाका में हुआ स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। गुजरात के लोकप्रिय विधायक वीरेंद्र सिंह जडेजा के ज्येष्ठ पुत्र एवं भचाऊ तालुका के सम्माननीय पूर्व प्रमुख एवं कच्छ डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव बैंक के निदेशक कुलदीप सिंह जडेजा उर्फ राजा भैया का साकीनाका में जौनपुर के सुजानगंज ब्लॉक प्रमुख श्री प्रकाश शुक्ला की ओर से उनके कार्यालय में स्वागत किया गया है । बता दें कि राजा भैया न केवल एक कर्मठ और दूरदर्शी जनप्रतिनिधि हैं, बल्कि एक सज्जन, सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के धनी हैं। उनकी कार्यशैली और सेवा-भावना ने

भचाऊ तालुका के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और जनकल्याण के क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान को जनता भलीभांति जानती और सराहती है।

श्री प्रकाश शुक्ला ने बताया कि इस भेंट में विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। विचारों की इस समृद्धि ने विश्वास को और दृढ़ किया कि यदि युवा नेतृत्व इसी प्रकार सक्रिय, समर्पित और व्यवहारिक बना रहे, तो निश्चित ही कच्छ सहित सम्पूर्ण गुजरात का भविष्य उज्ज्वल और सशक्त होगा। इस अवसर पर चर्चा के दौरान साझा सरोकारों और भावी सहयोग की संभावनाओं पर भी सकारात्मक संवाद हुआ।

रात में होटल में मैनेजर, दिन में चैन स्नैचिंग

शातिर चैन स्नैचर परेश घावरी गिरफ्तार

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। रात में होटल मैनेजर का काम और दिन में बाइक पर बैठकर चैन स्नैचिंग करने वाले शातिर चैन स्नैचर को डोंबिवली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस चोर का नाम परेश घावरी है, जिसने अब तक तीन चैन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दिया है। खास तौर पर सुबह मॉर्निंग वॉक करने वाली महिलाओं को परेश निशाना बनाता था। डोंबिवली के 90 फीट रोड पर हुई एक घटना के बाद उसका सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगा। सीसीटीवी की मदद से डोंबिवली पुलिस परेश के कल्याण के शंकरराव चौक इलाके में स्थित घर तक पहुँची। उसके पास से चोरी किए गए आभूषण भी पुलिस ने जब्त कर लिए हैं।

राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ ने की कांवड़ियों के लिए उत्तम जलपान व्यवस्था, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सावन मास की पावन बेला में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ, जिला पालघर की ओर से कांवड़ यात्रियों के लिए उत्तम जलपान व्यवस्था की गई। यह सेवा होटल सम्राट चित्रालय, बोईसर पर आयोजित की गई, जहां श्रद्धालुओं के लिए वड़ापाव, बिस्किट, केला, चाय और पानी की बोतलों की उत्तम व्यवस्था की गई थी।इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में कांवड़ियों ने इस सेवा का लाभ लिया। कार्यक्रम में संजान आश्रम के प्रमुख महंत श्री 108 ऋषिजी महाराज पधारकर सभी संघ के सदस्यों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके इस सेवा कार्य की सराहना की।

बोईसर बाणगंगा शिव कांवड़ यात्रा बोईसर शहर अंतर्गत ओसवाल एम्पायर में स्थित ईच्छापूर्ति गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर चिंचणी, दहानु होते हुए संजान के लिए रवाना हुई।

यात्रा की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में डिप्टी एसपी विकास नाईक, बोईसर तारापुर एमआईडीसी पुलिस थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक शिरीष पवार के

साथ विनय मोरे, केदार जाधव, गावड़े सर, बोरसे जी और उनकी टीम का विशेष योगदान रहा।

इस आयोजन में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के संरक्षक विनोद पोद्दार, प्रदेश अध्यक्ष ललित माली, यजुवेंद्र सावे, रोहित सिंह, प्रेम अग्रवाल, पिंटू मिश्रा, विनोद शर्मा, हेमंत जैन, जिलेदार वर्मा, प्रेम शंकर तिवारी, आसाराम शर्मा, मीना बोरसे, सुनीता सकपाल, शिल्पा सावे, चांदनी सिंह, सुषमा शर्मा एवं गौ रक्षा दल पालघर के उप प्रमुख भीम गढ़वी और उनकी टीम के सभी सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग देकर इस सेवा को सफल बनाया। कार्यक्रम में विशेष अतिथियों में गिरजेश सिंह, भावेश मोरे, मनदेव दुबे, सुशील तिवारी, नंदन मिश्रा, दयाराम मिश्रा, डॉ. विवेक मिश्रा, सत्येंद्र यादव, एल.पी. सिंह, सुजीत यादव तथा पत्रकार बंधु रामप्रकाश निराला, मोहन म्हात्रे, ओमप्रकाश द्विवेदी, जेपी जायसवाल, अजीत सिंह, गजानन मोहिते आदि का पुष्पगुच्छ व भगवा वस्त्र से सत्कार किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन ललित माली, रोहित सिंह, लक्ष्मण बेदाडे, हेमंत जैन व मोहन म्हात्रे ने संयुक्त रूप से किया।

अंत में राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बेदाडे ने सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों, पुलिस प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधियों एवं सेवाभावी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वालों का धन्यवाद किया।

वाईसीएमओयू अध्ययन केंद्र भिवंडी के बीसीए अंतिम वर्ष का सराहनीय परीक्षा परिणाम

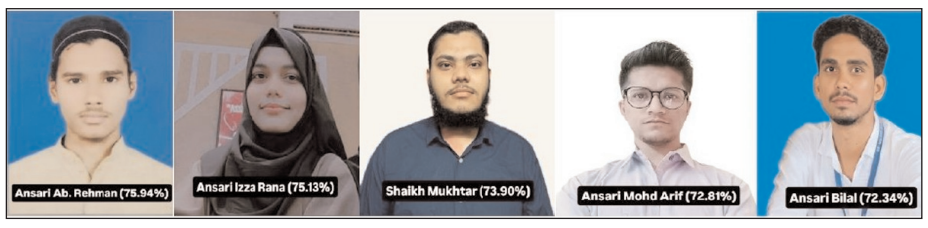

आचार्य सूरजपाल यादव भिवंडी(उत्तरशक्ति)। यशवंत राव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय नासिक द्वारा आयोजित गुलाम मुहम्मद मोमिन वीमेंस कालेज अध्ययन केंद्र में जारी बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन) अंतिम वर्ष की परीक्षा के परिणाम हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन घोषित किए गए । गौरतलब है कि इस वर्ष जीएम कॉलेज अध्ययन केंद्र से बीसीए अंतिम वर्ष की परीक्षा में कुल 91 छात्रों ने भाग लिया था जिसमें से 66 छात्रों ने सफलता प्राप्त की । अभ्यास केंद्र का कुल परिणाम 73% रहा वहीं दो छात्र विशेष योग्यता के साथ, 29 छात्रों नें प्रथम श्रेणी और 35 छात्रों नें द्वितीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफलता प्राप्त किये । शीर्ष पांच छात्रों में अंसारी अब्दुल रहमान 75.94% अंकों के साथ पहले स्थान पर रहे, अंसारी इज्जा राणा 75.13% अंकों के साथ दूसरे स्थान पर , शेख मुख्तार अहमद 73.90% अंकों के साथ तीसरे , अन्सारी मोहम्मद आरिफ 72.81% अंक के साथ चौथे और अंसारी बेलाल 72.34% अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे ।छात्रों के इस शानदार उप्लब्धि पर केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह , सचिव दानियाल काजी , कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे ,चेयरमैन अफजल नाखुदा , सेंटर इंचार्ज सफा आगा , समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और समस्त स्टाफ ने सभी सफल छात्रों और उनके शिक्षकों को बधाई दी है ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

रामपुर फीडर में बिजली कटौती को लेकर ग्रामीणों ने किया धरना प्रदर्शन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। रामपुर फीडर पर आए दिन बिजली कटौती को लेकर आज ग्रामीणों ने रामपुर पावर हाउस का किया घेराव हजारों की संख्या में ग्रामीण में पावर हाउस को घेर कर मुदार्बाद के नारे लगाना शुरू कर दिए ग्रामीणों का कहना है कि 24 घंटा में 2 घंटा भी बिजली हम लोगों को नहीं मिलती अगर बिजली आ भी गई तो बटन चालू करने के लिए जाओ तो तुरंत बिजली कट जाती है ग्रामीणों का कहना है कि धान का सीजन चल रहा है ।बिजली नहीं आएगी तो किसान खेती कैसे करेगा बारिश भी नहीं हो रही है और ऐसे में पर्याप्त बिजली नहीं मिलेगी तो किसान भूखा मर जाएगा बिजली समस्या को लेकर दामोदरा के किसान औरा के किसान रामपुर के जनता सभी परेशान हो गए हैं। बिजली कटौती को लेकर रामपुर पावर हाउस पर बिजली विभाग मुदार्बाद के नारे लगाए गए और स्थानीय विधायक मुदार्बाद के नारे लगाए गए बिजली को लेकर ग्रामीणों में काफी रोष दिखाई दे रहा है ।जनता का कहना है कि आए दिन इस समस्या को झेलना पड़ रहा है ।कोई अधिकारी हमारी समस्या को सुनने के लिए तैयार नहीं है ग्रामीणों का कहना है कि अगर बिजली विभाग की यही रवैया रहा तो हम इससे बड़ा धरना प्रदर्शन करेंगे इस भीषण गर्मी में बिजली की कटौती हो रही है । जनता तो परेशान होगा ही साथ में धान की रोपाई का सीजन चल रहा है । किसान भी बहुत चिंतित हैं कि हम धान की खेती कैसे करें और यहां पर बिजली सुधारने का नाम नहीं ले रहा है । किसानों की समस्या सुनने के लिए कोई तैयार नहीं है ग्रामीणों का क्रोध देखकर बिजली विभाग के एसडीओ मुरलीधर मौर्य ने किसी तरह ग्रामीणों को समझा बुझाकर उनको घर वापस भेजा ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बिजली सुधरेगी नहीं तब तब हमलोग पावर हाउस पर बैठे रहेंगे ।एसडीओ ने किसी तरह मामला शांत कराया एसडीओ ने बताया कि हमने सारी जानकारी उच्च अधिकारियों को दे रखी है वहीं से देर हो रहा है हम तो रामपुर पावर हाउस पर 24 घंटे की बिजली के लिए मांग किए हैं । अधिकारियों से रिपोर्ट लगा दिए हैं देखो कब तक होता है इस पर्दशन में सुवेश सिंह शिबू, अजीत सिंह पिंटू प्रधान, अमित सिंह दीपक सिंह रिशु सिंह सुमित सिंह संदीप सिंह प्रियांशु दीक्षित हर्ष सिंह रजत सिंह सुरज तिवारी आदि लोग उपस्थित रहें।

जौनपुर में जमीनी विवाद में कुल्हाड़ी से हमला ,महिला सहित आधा दर्जन घायल

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के डॉ.इम्तियाज अहमद ने बक्सा थानाअध्यक्ष से दूर संचार के माध्यम से जानकारी लिया तो,थानाअध्यक्ष का कहना था कि पुलिस द्वारा दबिश दी गई थी। सभी फरार है चल रहे है। किसी भी सूरत में बच के नहीं जा सकते है जल्द से जल्द सबको हिरासत में लिया जायेगा।

बक्सा, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बक्सा उक्त थाना क्षेत्र के लखनीपुर ग्राम मे रविवार की सुबह लगभग 9:00 बजे रास्ते में छप्पर रखने के विवाद में पडोसियों ने कुल्हाड़ी ईट डंडों से घर में घुसकर दो महिला समेत दो पुरुष को मार पीट के लहुलुहान कर दिया। घायलो में जानकी देवी 62 वर्ष ,हरिगन 30 वर्ष पुत्र जिया लाल, सोना 30 वर्ष पत्नी राकेश, राकेश 28 वर्ष पुत्र जियालाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बक्सा थाना क्षेत्र के लखनीपुर ग्राम में रास्ते में छप्पर रखने के विवाद में पडोसियों ने दो महिला दो पुरुषों को लाठी डंडे कुल्हाड़ी से हमला कर दिया सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से बक्सा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां पर हालत गंभीर होने के कारण सभी घायलों को जिला अस्पताल लाया गया है । सभी घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है तहरीर के आधार पर स्थानीय पुलिस जांच पडताल में जुट गई है।

कबीर चौरा अस्पताल में हुई दुष्कर्म आरोपी की मौत, तीन साल से जेल में काट रहा था सजा, आज होनी थी पेशी

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद के पहाड़िया में फोटो रोमिंग का काम करने वाले राघवेंद्र सिंह ने बताया मेरा बेटा एक लड़की की शिकायत पर पिछले साढ़े तीन साल से जिला जेल में सजा काट रहा था। उसका केस चल रहा था,आज उसकी जज अजय कुमार तृतीय पॉस्को मेन में पेशी थी। हम लोग कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे थे तभी मंजिल से फोन आया कि आप के बेटे की तबियत खराब हो गई है, और तुरन्त कबीरचौरा आ जाने के लिए कहा गया। जिससे परिवार जन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे तो पाया की बेटा मर चुका था और उसकी बॉडी मर्चरी में रख दी गई थी। परिवार जन ने जब डॉक्टर से पूछा तो उन्होंने डॉक्टर नें बताया की उसे यहां मृत अवस्था में लाया गया था। जबकि परिवार जन की मानें तो उनका बेटा बिलकुल स्वस्थ था।

माँ नें लगाया विपक्षियों पर 30 लाख मांगने का लगाया आरोप

बेटे की मौत की सूचना पर अस्पताल पहुंची रीता सिंह ने बताया - मेरे बेटे को कुछ लोगों ने झूठे मुकदमे में फंसाया था। हम एक एक दिन कर-के उसके छूटने का इंतजार कर रहे थे। वहीं विपक्षी 30 लाख रुपए समझौते के लिए मांग रहे थे। जबकि हमारे पति ने बेटे की शादी तक की बात की थी और अब ये क्या हुआ अभी तक सही जानकारी नहीं मिल पायी की बेटे की मौत कैसे हो गई । पुलिस का कहना है की वह चल कर अस्पताल आया था और अस्पताल कह रहा है वह मृत स्थित में ही लाया गया था।

ब्रॉड डेड लाया गया ईसीजी आई थी एकदम फ्लैट

कबीरचौरा अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर जयेश मिश्रा ने बताया - सुबह दस बजकर 25 मिनट पर जिला जेल से एक पेशंट आशुतोष सिंह (25) को लाया गया था। हमने फौरन उसका इसीजी किया जो कि फ्लैट आया । वह ब्रॉड डेड था। हमने इस बार में। परिजनों और जेल पुलिस को सूचना दे दी है। कुछ देर परिजनों ने हंगामा किया था। लेकिन उन्हें समझा बुझा कर बाहर निकाला गया है।

ठेकेदार की गैर मौजूदगी मुंशी बेच रहा है पुल के निर्माण का मैट्रियल

बगैर पीसीसी कराए लगाया जा रहा बोल्डर

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। रेणुकोट बीजपुर सड़क मार्ग के बीच नेमना नदी पर निमार्णाधीन पुल का सीमेंट सरिया बालू गिट्टी कार्यरत मुंशी चोरी छिपे बेच रहा है। पुल के नीचे पानी के तेज बहाव वाली जगह में बगैर पीसीसी कराए लोकल नदी नाले और पहाड़ी का बोल्डर पिचिंग कराया जा रहा है। ग्रामीण बबलू वैश्य ,मुन्ना लाल,विकास कुमार ,दयाशंकर ,राधेश्याम ,सीताराम ,आदि का आरोप है कि निमार्णाधीन पुल के साइट पर कर्यरत ठेकेदार का मुंशी काफी मात्रा में सरिया सीमेंट गिट्टी रात में बेच कर पुल के गुडवत्ता से खिलवाड़ कर रहा है। आरोप है कि पुल के दोनों तरफ अभी एप्रोच (ज्वाइंट) की ढलाई नही होने से मिट्टी के कारण पूरा पुल कीचड़ से सराबोर हो गया है ।पुल पर फिसलन और सड़क दुर्घटना के कारण आयेदिन लोग गिर कर चोटिल हो रहे हैं। बताया गया कि विभागीय मिलीभगत के कारण पुल के गुडवत्ता से खिलवाड़ किया गया है पुल की गुडवत्ता पर लोग संदेह ब्यक्त कर रहें है। तो आरोप है कि नेमना चेतवा के बीच इसी ठेकेदार द्वारा 6 माह पूर्व बनाया गया पुल आधा मीटर कम ऊंचा ढाल दिया गया जिससे पुल पर जलभराव होने लगा है। नकटू में भी इसी ठेकेदार ने एक पुल बनाया है जिसका ज्वाइंट बैठ गया और भारी भरकम गड्ढा बन गया है और अब पुल पर जगह जगह जलभराव से पुल कमजोर होने का अंदेशा बना हुआ है। इस बाबत पीडब्ल्यूडी एक्सईएन से बात करने की कोशिश की गई लेकिन उन्हों ने फोन रिसीव नही किया।

49 विषयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा

विश्वविद्यालय में 15 जुलाई को 8 केंद्रों पर होगी परीक्षा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश परीक्षा के 8 केन्द्रों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया. उन्होंने केन्द्रों की साफ सफाई, कैमरा, सिटिंग प्लान की व्यवस्था को देखा।उन्होंने कहा कि प्रवेशार्थियों को कोई समस्या न हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए। विश्वविद्यालय परिसर और महाविद्यालयों में 49 विषयों में शोध के लिए प्रवेश परीक्षा होगी. इस परीक्षा में 4150 प्रवेशार्थी भाग लेंगे।प्रवेश परीक्षा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में बैग, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, मोबाइल,कोई भी अन्य डिजिटल उपकरण,पानी की बोतल आदि ले जाना प्रतिबंधित है। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा हाल में प्रवेश पत्र, पहचान पत्र एवं पेन के अतिरिक्त कोई अन्य सामग्री न ले आये।प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो.गिरिधर मिश्र ने बताया कि अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने के 90 मिनट पूर्व प्रवेश मिलेगा तथा वह परीक्षा कक्षा में अपना स्थान परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व तक ग्रहण कर सकेगा। यदि अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में किसी भी सत्र में परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट बाद पहुंचता है तो उसे परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा के उपरांत ही कक्ष छोड़ेगा । परीक्षा कक्ष में कक्ष निरीक्षक को भी मोबाइल एवं कोई भी डिजिटल उपकरण ले आना प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के 08 परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक तथा 2.00 से 4.00 बजे के मध्य दो पालियों में सम्पन्न होगी।

जनपद स्तरीय वॉलीबाल, कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में जिला खेल कार्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में 16 जुलाई 2025 को जनपद स्तरीय जूनियर बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता, जनपद स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के साथ ही जनपद स्तरीय जूनियर बालक खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक टीमें अपनी प्रविष्टि प्रतियोगिता से एक दिन पूर्व की अपरान्ह 5.00 बजे तक जिला खेल कार्यालय, इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर जौनपुर में निर्धारित प्रारूप पर अवश्य उपलब्ध करायें। वॉलीबाल, कबड्डी एवं खो-खो टीम में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षक की संख्या 12+1 होगी। जूनियर आयु वर्ग की प्रतियोगिता में जनपद की कुल 08 टीमों को प्रविष्टि दी जायेगी, प्रविष्टि पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी। वॉलीबाल, कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता में प्रतिभागी खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01 जुलाई 2007 के पूर्व की न हो। खिलाड़ी आयु सत्यापन के लिए आधार कार्ड एवं हाईस्कूल का मूल प्रमाण पत्र अपने साथ लेकर आयेंगे। आयु निर्धारण के लिए इन्हीं अभिलेखों को आधार माना जायेगा। विद्यालय की टीमें अपनी प्रविष्टि विद्यालय के प्रधानाचार्य या खेल अध्यापक के माध्यम से करायेंगी। प्रतियोगिता समाप्ति उपरान्त खिलाड़ियों/टीमों को पुरस्कृत किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, जौनपुर में सम्पर्क कर सकते हैं।

सरकारी अभिलेख में रास्ता न होने के बावजूद भी प्रधान द्वारा अवैध तरीके से लगाया जा रहा खड़ंजा

गोराबादशाहपुर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विकासखंड धमार्पुर के ग्राम सभा कुछमुछ के प्रधान लालजी यादव द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुए चुनावी लाभ लेने हेतु सरकारी पैसे का दुरुपयोग करके जबरदस्ती खड़ंजा लगाया जा रहा है जबकि श्रवण कुमार विश्वकर्मा द्वारा बताया गया कि इसको रोकने के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल खंड विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया जा चुका है। इसके बावजूद भी खड़ंजा का निर्माण किया जा रहा है जबकि मौके पर खंड विकास अधिकारी द्वारा स्थलीय जांच के आधार पर कार्य को रोकने का आदेश दिया गया। इसके बावजूद भी खड़ंजा का निर्माण किया जा रहा है।खंड विकास अधिकारी से पूछे जाने पर उन्होंने अवगत कराया की खड़ंजा निर्माण का सरकारी मद से भुगतान नहीं किया जाएगा।अगर प्रधान मनमानी कर रहे हैं तो उसके जिम्मेदार वही होंगे।

श्री इच्छापूर्ति महादेव मंदिर पर हुआ भव्य भंडारे का आयोजन

महराजगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के डेल्हूपुर गांव स्थित श्री इच्छापूर्ति महादेव मंदिर पर श्रावण मास के प्रथम सोमवार के दिन मंदिर संरक्षक चंदन तिवारी एवं भक्तगणों द्वारा श्री रुद्राभिषेक एवं विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बृहद भंडारे का आयोजन किया गया जहां हजारों की संख्या में भक्तगणों ने महाप्रसाद ग्रहण किया वहीं जिले के प्रसिद्ध भजन गायक रविंद्र सिंह ज्योति ने भगवान शिव के भजनों को सुना कर समा बांध दिया वहीं ओम नमः शिवाय एवं बोल बम के जयकारे से मंदिर प्रांगण गूंज उठा इस मौके पर अमरपाल तिवारी, रमाकांत तिवारी, दयाशंकर तिवारी, शिव शंकर तिवारी,शीतला प्रसाद तिवारी, कृष्ण कुमार निगम, रामपाल तिवारी, इंद्रपाल तिवारी पप्पू यादव व जय सिंह यादव उपस्थित रहे।

ज्योति कलश का श्रद्धालुओं ने किया दर्शन पूजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर नगर के मोहल्ला साहबगंज पुरानी सब्जी मंडी में शिव मंदिर पर सोमवार को शांतिकुंज हरिद्वार से आए ज्योति कलश रथ का श्रद्धालुओं ने स्वागत कर दर्शन पूजन किया। जन जागरण के उद्देश्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए गायत्री परिवार द्वारा अखण्ड दीप प्राकट्य की शताब्दी एवं माता भगवती देवी शर्मा जी की जन्म शताब्दी वर्ष 2026 के अवसर पर ज्योति कलश रथ यात्रा निकला। जो देश के विभिन्न जिलों स्थानों से होते हुए शांति संदेश फैलाया जा रहा है। मुंगराबादशाहपुर नगर में इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्ष कर स्वागत किया। जिसके बाद ज्योति कलश का दर्शन पूजन कर मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक बैजनाथ ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार की ओर से दिव्य ज्योति कलश यात्रा को देश के विभिन्न भागों में ले जाकर शांति संदेश फैलाया जा रहा है। बताया कि माँ भगवती शर्मा के अवतरण के एक सौ वर्ष पूरे होने पर कलश यात्रा देश भर में निकाली जा रही है। कलश यात्रा सतहरिया,सरोखनपुर,नई बाजार,तरहठी रोड आदि स्थानों पर भ्रमण किया। इस दौरान कलश यात्रा पर पुष्प वर्षा कर अपने को लोगों ने धन्य किया।

शाहगंज में हापुड़ में लेखपाल की मौत पर लेखपाल संघ का विरोध, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील शाहगंज में लेखपाल संघ ने हापुड़ में एक लेखपाल की संदिग्ध मौत के विरोध में सोमवार को उपजिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। संघ ने हापुड़ के जिलाधिकारी पर अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया है। लेखपाल संघ का कहना है कि हापुड़ में तैनात लेखपाल की मृत्यु अधिकारियों के दबाव और मानसिक उत्पीड़न के कारण हुई। संघ ने बताया कि प्रदेश में लेखपालों के साथ अक्सर दुर्व्यवहार किया जाता है। इससे उनमें मानसिक तनाव बढ़ता है। लेखपाल संघ का कहना है कि जनपद हापुड़ में जिला अधिकारी का अधीनस्थ के प्रति अपमानजनक एवं दमनात्मक व्यवहार एवं बिना जांच के ही झूठी शिकायत पर उत्पीड़नात्मक कारवाई के तनाव में लेखपाल श्री सुभाष मीणा की मृत्यु हो गई इस हृदयविदारक घटना से प्रदेश के समस्त लेखपाल आहत हैं।

लेखपाल संघ ने मृतक के परिवार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की है। साथ ही परिवार के एक सदस्य को राजस्व विभाग में नौकरी देने की मांग भी की है। संघ ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। संघ ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जिला स्तर पर नियमित समीक्षा की मांग की है। साथ ही लेखपालों की समस्याओं के समाधान की भी मांग की है। उपजिलाधिकारी कुणाल गौरव को ज्ञापन तहसील अध्यक्ष इं विकास सिंह और मंत्री विवेक सिंह के नेतृत्व में सौंपा गया। अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों ने भी ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उक्त अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरजीत बिंद, सतेन्द्र यादव उप मंत्री रितुराज चौधरी ज्योति तिवारी रविकांत मौर्य सहित समस्या लेखपाल उपस्थित रहे।

लाखों की ठगी का खुलासा, साइबर ठग गिरफ्तार

पुलिस ने 2 मोबाइल और 3200 रुपये नगद किए बरामद

आजमगढ़ (उत्तर शक्ति)। जनपद की पुलिस ने साइबर क्राइम के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर साइबर ठग को गिरफ्तार किया है। जो फर्जी सूचना आयोग अधिकारी और राजभवन सचिव बनकर राज्य के विभिन्न ग्राम प्रधानों से लाखों रुपये की ठगी करता था। आरोपी की पहचान पंकज यादव (32 वर्ष), निवासी रामसनेही घाट, बाराबंकी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से 2 मोबाइल फोन और 3200 रुपये नगद बरामद किए हैं।यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीना के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) विवेक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में साइबर थाना पुलिस ने 13 जुलाई 2025 को की। अभियुक्त ने ग्राम गोछा के प्रधानपति मो. आरिफ खान से 26 अक्टूबर 2024 को फर्जी राजभवन सचिव हर्षवर्धन सिंह राठौर बनकर 8,26,995 रुपये की ठगी की थी। इस मामले में थाना साइबर क्राइम में मुकदमा संख्या 41/2024 दर्ज किया गया था। पंकज यादव ने पूछताछ में बताया कि वह ठक्ठ की वेबसाइट से ग्राम प्रधानों और पूर्व प्रधानों की सूची निकालकर उनसे संपर्क करता था। फर्जी अधिकारी बनकर भ्रष्टाचार और जांच के नाम पर डराकर वह प्रधानों से अपने और जनसेवा केंद्र के खातों में पैसे जमा करवाता था। गोछा के प्रधान को उसने सरकारी टैक्स के नाम पर गुमराह कर 8,26,995 रुपये जमा करवाए। विवेचना के दौरान आरोपी का नाम सामने आने पर पुलिस ने उसके ठिकानों पर दबिश दी। पकड़े जाने के डर से पंकज विभिन्न राज्यों में छिपता रहा और अपनी मृत्यु की झूठी खबर फैलाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उसने मृत अवस्था की फोटो खींचकर गांव वालों और पुलिस को भेजी थी। इसके बावजूद, साइबर थाना पुलिस ने उसे रानी की सराय, सेमरहा अंडरपास के पास सर्विस लेन से धर दबोचा।

पुरानी रंजिश को लेकर युवकों ने अधेड़ को लाठी डंडे से पीटकर किया घायल

पुलिस ने चार को हिरासत में लेते हुए दर्ज किया मुकदमा

-रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के विझवार सारंग गांव में पुरानी रंजिश को लेकर युवकों ने एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति को लाठी डंडे से पीटकर घायल कर दिया। सूचना पर पहुची पुलिस ने मौके से चार युवकों को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि लाल चंद और प्रीतम नागर के घर के बीच किसी बात को लेकर पुरानी रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि इसी रंजिश को लेकर सोमवार को सुबह दस बजे प्रीतम, आकाश और प्रांजल ने मिलकर लाठी डंडे से लाल चंद को पीट दिया। जिससे लाल चंद 55 घायल हो गए। सूचना पर थाने के उप निरीक्षक विनोद शंकर फोर्स के साथ मौके पर पहुच गए। पुलिस ने मौके से प्रीतम, आकाश सहित चार युवकों को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि लाल चंद की तहरीर पर विझवार सारंग गांव के आकाश, प्रीतम नागर, प्रांजल, अनुपम नागर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चारो युवकों का शांति भंग में पाबंद करते हुए चालान कर दिया गया है।

वाराणसी के सभी डाकघरों में विशेष राखी कवर बेचने की शुरूआत: कर्नल विनोद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के सभी डाकघरों में विशेष राखी कवर बेचने की शुरूआतः कर्नल विनोद,रक्षाबंधन के त्योहार को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग ने विशेष राखी कवर उपलब्ध करने की शुरूआत की है ताकि बहनें अपने भाइयों को सुरक्षित रूप से राखी भेज सकें। कर्नल विनोद पी एम जी वाराणसी ने नेदेसर स्थित वाराणसी कैंट प्रधान डाकघर में राखी काउंटर पर बिक्री की घोषणा की और बताया कि बरसात के मौसम को ध्यान में रखकर विशेष राखी कवर वाटर प्रूफ बनाया गया है और इसमें मजबूत सामग्री का प्रयोग हुआ है जिससे इसको फाड़ा नहीं जा सकेगा। कर्नल विनोद ने बताया कि विशेष राखी लिफाफे वाराणसी परिक्षेत्र के सभी डाकघरों में उपलब्ध कराये गए हैं और कोई भी व्यक्ति किसी भी डाकघर से इन लिफाफों को खरीद सकता है। वाराणसी परिषेत्र में भारतीय डाक विभाग के करीब 1750 ऑफि स हैं जिनमें इन विशेष राखी लिफाफों की बिक्री की वयवस्था की गई है । इसके अलावा अगर किसी संस्था को बड़ी संख्या में विशेष राखी कवर की जरूरत होती है तो वह डाक विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर सकते हैं ताकि उनकी आवश्यकता की पूर्ति की जा सके। खूबसूरत विशेष राखी लिफाफे बढ़िया डिजाइन के साथ बहनों का प्रेम और स्नेह देश के किसी भी हिस्से में पहुंचाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए हैं ताकि बहनों की खुशी और भावनाओं को भाइयों तक समय रहते पहुंचाया जा सके। वाराणसी डाक क्षेत्र के सभी अधिकारी तथा कर्मचारी राखी के त्योहार पर बहनों की राखियां तथा भाइयों का स्नेह गति गति से पहनने के लिए प्रतिबध हैं। कर्नल विनोद ने बताया कि राखी के अवसर पर आने वाली भारी संख्या में राखी की डाक को सम्भालने के लिए डाक घरों में विशेष व्यवस्था की गई है। इस दौरान राखी डाक को प्राप्त क्रेन के लिए डाकघरों में विशेष काउंटर लगाए गए हैं साथ ही एक नई शुरूआत करते हुए अलग से बक्सों का उपयोग किया जाएगा ताकि राखी की डाक को बिना किसी परेशानी या विलंब के तुरंत डिलीवरी के लिए भेजा जा सके।

श्रावण मास का तीसरा मास परायण रामायण संपन्न

ठाणे। शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल द्वारा आयोजित श्रावण मास परायण रामायण का तीसरा मास परायण रामायण रविवार को को दिवा पूर्व स्थित नारायण कॉम्प्लेक्स में लक्ष्मीकांत मिश्रा के यहां सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही आरती आदि के बाद भक्तों को प्रसाद भी वितरण किया गया। यह उक्त कार्यक्रम हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया गया है। इस अवसर पर देवा उपाध्याय, रंगा मिश्रा, संजय शुक्ला, सुशील पांडे, विनायक सिंह, अनुराग चौबे, मुकेश पांडे, अमित शुक्ला, के. के. शुक्ल , देवराज तिवारी सहित आदि लोग पहुंचकर पाठ को पूर्ण करके प्रसाद का लाभ लिए। यह पुनीत कार्यक्रम 11 जुलाई से 9 अगस्त तक अनवरत 7 से रात 10 बजे तक जारी रहेगा। शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल के अध्यक्ष व इस धार्मिक कार्यक्रम के प्रचारक सचिन चौबे ने नागरिकों से बड़ी संख्या में इस धार्मिक पुण्य कार्य में सहभागी होने की अपील की है। इस समय पूरा दिवा परिसर भक्ति मय हो गया है।

मनबढ़ों की पिटाई से चार लोग गंभीर रूप से घायल
धान की रोपाई कर रही महिला मजदूरों से छेड़खानी का विरोध करना पड़ा भारी

मड़ियाहूं ,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के भवानीपुर गांव में धान की रोपाई कर रही महिला मजदूरो से छेड़खानी का विरोध करने पर मन बढ़ों ने पिटाई कर चार भाइयों को गंभीर रूप से घायल कर दिया। भवानीपुर गांव निवासी अजय शुक्ला ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया कि वह सोमवार को सुबह अपने खेत में मजदूरों के साथ धान की रोपाई करवा रहे थे ।बगल गांव याकूतपुर के रवि यादव, विशाल यादव, विकास यादव, धीरज यादव,ओम प्रकाश यादव आदि खेत में काम कर रही महिला मजदूरों से छींटाकशी कर रहे थे। महिलाएं इसका विरोध कर रही थी। जब अजय शुक्ला ने भी इसका विरोध किया तो उक्त लोग लाठी डंडा लेकर उन पर टूट पड़े। उन्हें पिटता देख थोड़ी दूर पर काम कर रहे उनके भाई आशुतोष शुक्ला, दीपक शुक्ला व अनुराग शुक्ला मौके पर पहुंचे तो मनबढ़ों ने उन्हें भी पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अवस्था में सभी मड़ियाहूं कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दिया। पुलिस सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मडियाहू भेज कर उपचार कराया। जहां से अजय ,आशुतोष व दीपक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मामले में दलित महिला मजदूरों ने भी प्रार्थना पत्र दिया है। संबंध में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि मामले में सभी घायलों का उपचार कराने के बाद आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

सलेमपुर प्राइमरी स्कूल को बंद करने के फैसले के खिलाफ बच्चों और अभिभावकों का प्रदर्शन

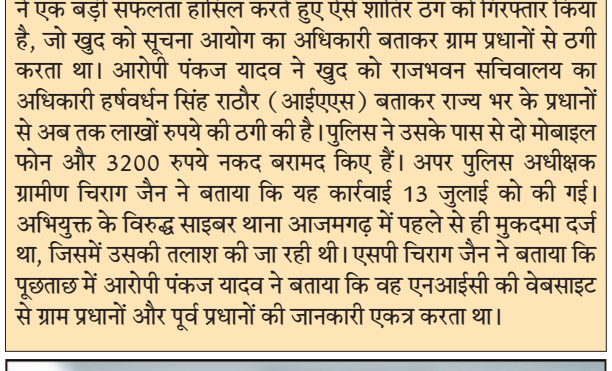

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सुइथाकला ब्लॉक सरकारी स्कूलों को मर्ज करने के फैसले ने अब गांवों में शिक्षा संकट की दस्तक दे दी है। प्राथमिक विद्यालय सलेमपुर में बच्चों और उनके अभिभावकों ने गांव के स्कूल को बंद किए जाने की आशंका के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने साफ कहा कि,गांव का स्कूल अगर बंद हुआ तो बच्चों का भविष्य अंधेरे में चला जाएगा। बच्चे बोले हमें हमारा स्कूल चाहिए। नन्हे-मुन्ने बच्चों के हाथों में पोस्टर और नारों के साथ स्कूल परिसर में गूंज उठी एक ही मांग गांव का स्कूल बंद मत करो । बच्चों के साथ खड़े अभिभावकों ने कहा कि यदि स्कूल पेयर हुआ तो रोजाना बच्चों को दूर दूसरे विद्यालय में भेजना पड़ेगा, जो असंभव है। इससे करीब तीन दर्जन बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर हो सकते हैं। ग्रामीणों का साफ संदेश:ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से अपील की है कि,विद्यालय को बंद करने की बजाय, छात्र संख्या बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। गांव के सभी माता-पिता को प्रेरित किया जा रहा है कि वे अपने बच्चों का नामांकन इसी स्कूल में कराएं। प्रदर्शन में शामिल प्रमुख लोगःग्राम प्रधान उमाशंकर यादव, अध्यक्ष राजेंद्र पाण्डेय,उपाध्यक्ष घनश्याम पांडेय,प्रधानाध्यापिका डॉ. वंदना अग्रहरि,शिक्षा मित्र हवलदार यादव, किरण पाल, मोनिका, महेंद्र पाल,सैकड़ों की संख्या में अभिभावक व छात्र ग्रामीणों का ये विरोध सिर्फ एक स्कूल को बचाने की लड़ाई नहीं, बल्कि गांव के हर बच्चे के उज्जवल भविष्य और शिक्षा के अधिकार की आवाज है। सरकार को चाहिए कि वह इन मासूमों की पुकार सुने और फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

आईएएस अधिकारी बन ग्राम प्रधानों से ठगी करने वाला गिरफ्तारी

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जनपद की साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए ऐसे शातिर ठग को गिरफ्तार किया है, जो खुद को सूचना आयोग का अधिकारी बताकर ग्राम प्रधानों से ठगी करता था। आरोपी पंकज यादव ने खुद को राजभवन सचिवालय का अधिकारी हर्षवर्धन सिंह राठौर (आईएएस) बताकर राज्य भर के प्रधानों से अब तक लाखों रुपये की ठगी की है। पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन और 3200 रुपये नकद बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि यह कार्रवाई 13 जुलाई को की गई। अभियुक्त के विरुद्ध साइबर थाना आजमगढ़ में पहले से ही मुकदमा दर्ज था, जिसमें उसकी तलाश की जा रही थी। एसपी चिराग जैन ने बताया कि पूछताछ में आरोपी पंकज यादव ने बताया कि वह एनआईसी की वेबसाइट से ग्राम प्रधानों और पूर्व प्रधानों की जानकारी एकत्र करता था।

सीएम योगी से मिले कृपाशंकर, किसानों की आय दुगना करेगा सरकारी हार्वेस्टर

लखनऊ। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने आज लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें किसानों की आय दुगनी करने का एक सुझाव पत्र दिया। इस पत्र में कहा गया है कि यदि सरकार ग्राम पंचायत स्तर पर किसानों को रवि और खरीफ फसल की कटाई के लिए अपनी निधि से हार्वेस्टर मुहैया कराए तो उनकी आय को दुगनी कर प्रधानमंत्री की उस योजना को साकार किया जा सकता है, जिसमें उन्होंने 2025 तक किसानों की आय दुगुनी करने की बात कही थी। पत्र में कहा गया है कि किसानों की लागत का एक बड़ा भाग फसलों की कटाई के समय निजी हार्वेस्टर वालों को देना पड़ता है। आमतौर पर हार्वेस्टर मालिक किसानों से 1200 रूपए प्रति बीघा चार्ज करते हैं। एक बीघा फसल की कटाई में मात्र 10 मिनट लगते हैं, जिसमें हार्वेस्टर की लागत 200 रुपए की होती है। ऐसे में सरकार यदि किसानों से 400 रुपए प्रति बीघा चार्ज करती है तो किसानों की प्रति बीघा 800 रुपए की बचत होगी। इससे बड़े किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। पत्र में कहा गया है कि इस तरह की योजना से सरकार युवाओं को रोजगार भी दे सकती है। गांव के ही किसी युवक को प्रशिक्षण देकर, हार्वेस्टर के रखरखाव और चलाने की जिम्मेदारी दी जा सकती है। हार्वेस्टर से होने वाली आय और व्यय का पूरा हिसाब पंचायत समिति या किसान उत्पादक संगठन (FPO) कर सकता है। कृपाशंकर सिंह के अनुसार इस योजना से सही समय पर किसानों की फसल भी काटने में सरलता भी होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकल्प को प्रधानमंत्री किसान योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना तथा मनरेगा योजना के साथ संलग्न कर-के चलाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस प्रकल्प में गहरी रुचि दिखाई है। ऐसे में अगर सरकार अपनी निधि से हर ग्राम पंचायत में हार्वेस्टर की सुविधा मुहैया कराती है तो किसानों की बल्ले बल्ले होना तय माना जा रहा है।

58 वर्षीय मरीज की जटिल सर्जरी बिना फेफड़ा निकाले सफल

गोपालगंज (उत्तरशक्ति)। कई अस्पतालों से लौटाए जाने के बाद जब उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी थीं, तब बिहार के 58 वर्षीय हरि नारायण सिंह को अमृता अस्पताल, फरीदाबाद में जीवन की नई सांस मिली। यहां डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने एक जटिल और दुर्लभ एंडोब्रोंकियल कार्सिनॉयड ट्यूमर को ऑपरेशन से हटाया वो भी बिना फेफड़ा निकाले। शुरूआती लक्षण जैसे कि सांस फूलना और सीटी चेस्ट में रुकावट, कई अस्पतालों में अस्थमा के रूप में गलत समझे गए। अंततः एक सीटी स्कैन में उनके एयरवे में ट्यूमर की पुष्टि हुई। यह ट्यूमर फेफड़ों के कुल कैंसर मामलों का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा होता है, और अक्सर देर से पहचान में आता है।

इस केस की खासियत केवल इसका दुर्लभ ट्यूमर नहीं था, बल्कि यह था कि हम मरीज का पूरा फेफड़ा बचा पाए,ह्व कहा डॉ. समीर भाटे, सीनियर कंसल्टेंट और प्रमुख, कार्डियोथोरासिक सर्जरी, अमृता अस्पताल। ह्लहमने पारंपरिक ऑपरेशन (प्लमनॉक्टॉमी) की जगह स्लीव रिसेक्शन तकनीक अपनाई, जिससे ट्यूमर को हटाने के साथ-साथ फेफड़ों की कार्यक्षमता भी सुरक्षित रही।

इस जटिल सर्जरी को सफल बनाने में अमृता के पल्मोनोलॉजी विभाग की अहम भूमिका रही, जिसका नेतृत्व डॉ. अर्जुन खन्ना, डॉ. सौरभ पाहुजा और डॉ. प्रदीप बजाड़ ने किया। मरीज की ब्रोंकोस्कोपी और सटीक निदान ने सर्जरी को संभव बनाया। खुले ऑपरेशन तकनीक से की गई यह सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज को बिना किसी जटिलता के स्वस्थ होकर डिस्चार्ज कर दिया गया। मैंने तो कभी इस बीमारी का नाम भी नहीं सुना था,ह्वकहते हैं हरि नारायण सिंह। ह्लेकिन डॉ. समीर भाटे और डॉ. पाहुजा ने मुझे बहुत सहजता से पूरी स्थिति समझाई। मुझे लगा मैं सबसे सुरक्षित हाथों में हूं। अमृता अस्पताल में यह केस एक मिसाल है कैसे दुर्लभ बीमारियों का भी समय पर निदान और विशेषज्ञ देखभाल से जीवन बचाया जा सकता है। अगर यह ट्यूमर समय रहते नहीं पकड़ा जाता, तो मरीज की सांस की नली में भारी रक्तस्राव जानलेवा हो सकता था, डॉ. भाटे ने कहा। हम चाहते हैं कि ऐसे मामलों में ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों को भी भरोसा और इलाज मिले। अमृता अस्पताल का यह प्रयास न केवल क्लिनिकल उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि यह उस भरोसे का भी प्रतीक है, जो हर मरीज यहां लेकर आता है एक आखिरी उम्मीद, जो यहां आकर हकीकत बन जाती है।

घनश्याम जायसवाल चुने गए शाहगंज राम लीला समिति के अध्यक्ष

-शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर की ऐतिहासिक संस्था श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष पद का चुनाव 2025 - 26 के लिए आज गांधीनगर कलेक्टर गंज फंड पर हुआ। जिसमें घनश्याम जायसवाल को रामलीला समिति शाहगंज का अध्यक्ष चुना गया। उनकी देखरेख में कई वर्षों से रामलीला होता आ रहा है आप राम की सेवा में हमेशा लगे रहते हैं आपके कार्यकाल में समिति और ऊंचाइयां प्राप्त करेगी लोगों को बधाइयां देने का ताता लगा हुआ है। अध्यक्ष चुनने के उपरांत वहां पर उपस्थित संरक्षक मंडल द्वारा माल्यार्पण कर घनश्याम जायसवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महेंद्र प्रताप वर्मा एडवोकेट, सचिन वर्मा एडवोकेट, धीरज पाटिल, शिंपू अग्रहरि,वेद प्रकाश जयसवाल राम गुप्ता, उमेश जयसवाल,संदीप जयसवाल कालीचरन मौजूद रहे।

चोरी की घटना शामिल तीन आरोपियों गिरफ्तार, कब्जे से पीली धातु बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मुगराबादशाहपुर पुलिस टीम द्वारा चोरी की घटना समलित 03 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार। कब्जे से एक लाकेट पीली धातु बरामद, दिनांक-13.07.2025 को वादिनी मुकदमा सुधा देवी पत्नी उमाशंकर शुक्ल नि0ग्राम- नौडेरा(चूरामणि का पूरा) थाना फतनपुर जिला- प्रतापगढ द्वारा प्रार्थना पत्र दिया गया कि रोडवेज के पास से लाल बैग जिसमें सोने का लाकेट था। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया है।प्राप्त तहरीर पर मु0अ0सं0 177/2025 धारा 303(2) बीएनएस अज्ञात चोर के पंजीकृत कर विवेचना उ0नि0 सुरेन्द्र प्रताप तिवारी को सुपुर्द किया गया।मुखबिर खास की सूचना पर 03 आरोपीगण 1.अजय पटेल 2. दीपक पटेल 3. संजू सोनी को एक लाकेट पीली धातु वजन 02 ग्राम सम्बन्धित मु0अ0स0 177/2025 धारा 303(2)317(2)/317(5) बीएनएस थाना मुगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर को समय करीब 07.10 बजे गोविन्दासपुर पुलिया के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

समाज विकास सेवा संघ जरूरतमंद विद्यार्थियों में शैक्षणिक सामग्री का वितरण

मुंबई। समाज विकास सेवा संघ एक ऐसे संगठन के रूप में जाना जाता है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए काम करता है। इस संस्था का कार्य सिर्फ शैक्षणिक सामग्री वितरित करना ही नहीं है बल्कि बच्चों में पढ़ाई के साथ साथ उनमें छुपी हुई अन्य प्रतिभाओं की खोज कर उन बच्चों को आगे लेकर आना भी इस संस्था का मुख्य उद्देश्य है । संस्था पिछले 16 वर्षों से यह कार्य लगातार कर रही है ।

शुक्रवार जुलाई 2025 को ठाणे जिल्हा अंबरनाथ तालुका के करीब तीन गाँवों काराव, मुलगांव व पिंपकोली तालुका के जिल्हा विद्यालयों के विद्यार्थियों में मुफ्त शिक्षण सामग्री व नोटबुक आदि वितरित किए गए ।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक विनय मिश्रा ने? कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनका हौसला भी बढ़ाया । इस अवसर पर संस्था के संस्थापक विनय मिश्रा, अध्यक्ष एडवोकेट. पवन करकेरा, महासचिव कन्हैयालाल यादव, सचिव अनुपम सिंह, सलाहकार श्रीमती कस्तूरी करकेरा आदि मान्यवर उपस्थित थे। आज की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच समाज विकास सेवा संघ इन बच्चों के आंतर कौशल को जागृत करने का काम करता है व उन्हें आगे लाकर प्रोत्साहित करता है ताकि वे अपना विकास कर सकें व राष्ट्रोत्थान में भी अपना योगदान दे सकें।

इस संस्था के माध्यम से अब तक हजारों विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की जा चुकी है। संस्था के अध्यक्ष एड. पवन करकेरा ने सभी को बताया कि शिक्षण सामग्री मुफ्त वितरण के साथ ही कई गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के शैक्षणिक खर्च का बोझ भी इसी संस्था के माध्यम से उठाया जा रहा है।

हापुड़ जिले में लेखपाल की हुई मौत से नाराज लेखपाल कर्मचारी किया प्रदर्शन

-सुशील गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में एक लेखपाल जिनका नाम सुभाष मीणा है कि मृत्यु के बाद प्रदेश भर में लेखपाल संघ ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला अधिकारी के कथित दमनात्मक व्यवहार से तनावग्रस्त होने के कारण लेखपाल की मृत्यु हुई थी।सोमवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ और चकबंदी लेखपाल संघ के आह्वान पर सभी तहसीलों में धरना-प्रदर्शन हुआ।

लेखपालों ने शोक सभा में दिवंगत साथी को श्रद्धांजलि दी। सदर तहसील के धरने में लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने व ग्राम पंचायत करंजकला के लेखपाल अजय कन्नौजिया ने कहा कि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई जल्द से जल्द होने मांग की, लेखपालों ने एसडीएम को मुख्यमंत्री के लिए ज्ञापन सौंपा। इसमें हापुड़ की घटना की उच्चस्तरीय जांच और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने हर महीने संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की भी मांग की। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसी घटनाएं नहीं रुकी तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संघ ने प्रदेश के विभिन्न सभी लेखपालों से चकबंदी लेखपाल संघ के कुमार ने समर्थन करने का आह्वान किया है।

इस अवसर पर संघ के जिलाध्यक्ष जय शंकर, तहसील अध्यक्ष राहुल पटेल, महामंत्री जगवीर गौतम, परमानंद मिश्रा, कृपा शंकर, अशोक सरोज, दिलीप शुक्ला, अमर बहादुर, मनोज, राजकुमार, अजय प्रसाद, आशीष पटेल, राहुल सोनी, रजनीश,अफजल आदि उपस्थित थे।

भारतीय शिक्षा बोर्ड से जुड़ कर मूल्यनिष्ठ शिक्षा प्रणाली का करें निर्माण : एनपी सिंह
शिक्षा सिर्फ नौकरी नहीं, जीवन के समग्र विकास के लिए होनी चाहिए: डॉ .दिनेश चंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय शिक्षा बोर्ड चेयरमैन एवं अवकाश प्राप्त आईएएस डॉ एनपी सिंह ने रविवार को कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड से जुड़कर मूल्य निष्ठ शिक्षा प्रणाली का निर्माण करें।भारतीय शिक्षा बोर्ड की बहुप्रतीक्षित बैठक रविवार को शहर के एक होटल में संपन्न हुई।जिसमें कक्षा 8 से 10 वीं और 12 वीं तक संचालित हो रहे जिले भर के निजी विद्यालयों के प्रबंधकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। बैठक में उपस्थित विद्यालय प्रबंधकों को संबोधित करते हुए भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन पूर्व आईएएस डॉ. एन. पी. सिंह ने कहा कि यह बोर्ड राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मूल उद्देश्यों को आत्मसात करते हुए कार्य कर रहा है। शिक्षा केवल नौकरी के लिए नहीं, बल्कि जीवन के समग्र विकास के लिए होनी चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड का उद्देश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना है जिसमें आधुनिक विज्ञान, गणित और तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, संस्कृत, गीता और अन्य भारतीय ज्ञान परंपराओं का समावेश हो। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति को पुनः जीवंत कर विश्वगुरु बनने की दिशा में यह एक सशक्त प्रयास है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निजी विद्यालयों को इस बोर्ड से जोड़कर एक स्वदेशी, सशक्त और मूल्यनिष्ठ शिक्षा प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है, जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ संस्कारित भी करेगी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि अच्छे नागरिकों का निर्माण करना है। उन्होंने भारतीय शिक्षा बोर्ड की इस पहल की सराहना करते हुए जिले के विद्यालयों से इसमें सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। बैठक में आए विद्यालय प्रबंधकों ने बोर्ड की नीतियों और दृष्टिकोण की सराहना करते हुए जुड़ने की इच्छा जताई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल ने बोर्ड की प्रशंसा करते हुए अपील किया कि इस बोर्ड से सभी निजी विद्यालयों को अधिक से अधिक संख्या में जुड़ने की जरूरत है। इस मौके पर पूर्व विधायक हरेंद्र सिंह, सूर्य प्रकाश सिंह मुन्ना, सभाजीत द्विवेदी प्रखर, डॉ.चन्द्रजीत मौर्य अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति द्वारा किया गया।

बच्चों के मामूली विवाद में मनबढ़ों ने युवक को मार-पीट कर किया अधमरा

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्कूल में बच्चों के मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया की एक युवक के जान पर बन आई। जानकारी के अनुसार रविवार की दोपहर नगर के पुरानी बाजार निवासी किशन कुमार पुत्र राजबली ने घायल अवस्था मे कोतवाली पहुंच कर लिखित तहरीर देते हुए आरोप लगाया की उसके पड़ोसी का और उसका भतीजा एक स्कूल में पढ़ते हैं ।शनिवार को दोनों बच्चों में स्कूल में मामूली बात को लेकर कहा सुनी हो गयी। पीड़ित ने आगे तहरीर में कहा की उसी बात को लेकर जब रविवार को पड़ोसी बच्चे के अभिभावक से पूछने गया तो उन्होंने एक जुट होकर लोहे के पंच और डंडे से बुरी तरह मारपीट कर घायल कर दिया।और पूरे परिवार को जान से मारने की भी धमकी दी। घायल अवस्था मे पहुंचे किशन कुमार लहूलुहान जब थाने में पहुंचा तो सर में अधिक चोट लगने से वहीं अचेत होकर थाने में गिर गया।जिससे थाने में हड़कम्प मच गया।और उसका वीडियो तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो गया।वहीं इस मामले जौनपुर पुलिस के एक्स हैंडल से शाहगंज पुलिस को निर्देशित करते हुए विधिक कार्यवाई की बात कही।

कल्याण में हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत

मुंबई। नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई ने आज शहर स्थित न्यूटेक डायग्नोस्टिक सेंटर के सहयोग से वयस्कों और बच्चों के लिए समर्पित हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरूआत की। यह पहल लिवर व गैस्ट्रो संबंधी बीमारियों के समय पर निदान और इलाज को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन ओपीडी सेवाओं की शुरूआत नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल की उपस्थिति में हुई। उनके साथ लिवर, पैंक्रियाज और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों के विशेषज्ञों की एक टीम भी उपलब्ध रहेगी। यह टीम हर महीने के पहले और दूसरे शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक परामर्श सेवा देगी। यह ओपीडी सेवा न्यूटेक डायग्नोस्टिक सेंटर, बरवे रोड, शेलार पार्क के पास, खडकपाड़ा, कल्याण में उपलब्ध होगी। इस अवसर पर नानावती मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के एचपीबी सर्जरी, लिवर और मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट विभाग के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल ने कहा, ह्लिवर संबंधी रोग गंभीर स्वास्थ्य संकट बनते जा रहे हैं, जो समय पर इलाज न मिलने पर लिवर फेलियर जैसी जटिल स्थितियों का कारण बन सकते हैं। भारत के कई हिस्सों में अनुवांशिक कारणों, निष्क्रिय जीवनशैली और पर्यावरणीय कारणों से तीव्र और दीर्घकालिक लिवर रोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। कल्याण में इन ओपीडी सेवाओं की शुरूआत का उद्देश्य है उच्च जोखिम वाले वयस्कों और बच्चों की जांच कर समय पर चिकित्सा सहायता देना, जिससे इस क्षेत्र में लिवर और गैस्ट्रो से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सके। डॉ. चौबल ने लिवर फेलियर के कुछ प्रमुख लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि बार-बार बुखार आना, पीलिया, गहरा पेशाब, सफेद मल, पेट में सूजन और अचानक वजन घटना गंभीर संकेत हो सकते हैं। इसके अलावा लगातार थकान, उलटी, और त्वचा पर आसानी से नीला पड़ना जैसी समस्याएं भी तत्काल चिकित्सकीय जांच की मांग करती हैं।

बाढ़ का पानी आने से गर्भवती महिला नहीं पहुंच सकी अस्पताल, रास्ते में तड़प-तड़पकर हुई मौत

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश के जवा तहसील स्थित भनिगवां गांव में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। बाढ़ के कारण रास्ता बंद होने से समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रिया रानी कोल (पत्नी सोनू कोल) के रूप में हुई है, जो करीब 8-9 महीने की गर्भवती थीं।

परिजनों के अनुसार, प्रिया रानी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उसे तुरंत जवा अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन रास्ते में महना नदी का पुल उफान पर था, जिससे सभी लोग वहीं फंस गए। करीब दो घंटे तक महिला ने रास्ते में ही तड़पते हुए दम तोड़ दिया।

स्थानीय झोलाछाप डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन जब तक वह पहुंचा, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर ने जांच के बाद प्रिया को मृत घोषित कर दिया। परिवार ने बताया कि ससुराल में खराब रास्तों के कारण वह मायके में रह रही थी, ताकि सुरक्षित डिलीवरी हो सके। लेकिन जब तबीयत बिगड़ी तो बाढ़ के कारण मायके से अस्पताल नहीं जा पाई। मौत के बाद भी शव को मायके से ससुराल ले जाने के लिए परिवार को 40 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना पड़ा, क्योंकि सीधा रास्ता बाढ़ में डूबा हुआ था। मृतका के जेठ राधेश्याम कोल ने बताया कि प्रिया रानी का एक बेटा भी है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि गांव में सड़क और पुल की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाएं दोबारा न हों।

परिजनों और ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर अस्पताल पहुंचने का रास्ता होता तो प्रिया की जान बचाई जा सकती थी। अब परिवार ने इस मामले को उठाते हुए प्रशासन से बेहतर सड़क और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है।

मंत्री ओम प्रकाश राजभर को जान से मारने की धमकी

बलिया। केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को गोली मारने की धमकी मामले की जांच पुलिस ने शुरू कर दी है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। ओम प्रकाश राजभर के पुत्र और सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता अरुण राजभर ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उप्र के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सोशल मीडिया मंच फेसबुक के जरिये गोली मारने की धमकी दी जा रही है। अरुण ने इसी पोस्ट में कहा, ह्लकरणी सेना बलिया के नाम की फेसबुक आईडी से सुभासपा प्रमुख एवं मंत्री ओम प्रकाश राजभर को गोली मारने की धमकी दी गई है।

अरावली की वादियों में रही कावड़ियों की धूम

चिराना। निकटवर्ती लोहार्गल धाम में सावन के पहले सोमवार को अरावली की वादियों में बोल बम ताड़क बम की गूंज रही ,जलाभिषेक करने वालों की भीड़ तीर्थस्थल पर देखने को मिली। लोहार्गल से पावन जल भरकर अभिषेक हेतु अपने गंतव्य की ओर जाने वाले शनिवार से ही शुरू हो गए थे,रविवार देर रात तक डीजे के साथ अपने दूरस्थ गांवों की ओर जाते नजर आए।शिवभक्त सावन के पहले सोमवार को इस तीर्थस्थल से अपने निजी गांवो में जाकर भगवान शंकर का जलाभिषेक कर भोले को रिझाया।

कावड़ लाने वाले इस पथ पर रंग-बिरंगे व भगवा पोशाक में अधिक नजर आए। शिवभक्तों ने भी तीर्थ पर आए कावड़ियों की सेवा एवं निशुल्क जलपान के लिए विभिन्न स्थानों पर जगह जगह शिविर लगाए। गोल्याना स्टैंड पर लोहार्गल पथ पर स्थित मुख्य गेट के पास रविवार को समाजसेवी गिरधारी लाल इंदौरिया द्वारा चाय नाश्ता की निःशुल्क सेवा मुहैया करवाई जिसमें सेवादार के रूप में जितेंद्र सेन,यशवंत इंदौरिया,अंकित बोहरा,राकेश कुमावत,चेतन कुमावत, बजरंग लाल सैनी,बंटी जांगिड़, ताराचंद बोहरा अक्षय पाराशर व संदीप सैनी ने सेवाएं दी।

वाराणसी: रुद्राभिषेक कराकर घर वापस लौट रहे कर्मकांडी ब्राह्मण की सड़क दुर्घटना में मौत

शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई जुटी पुलिस

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जिले के बड़ागांव थानाक्षेत्र के वाराणसी जौनपुर मार्ग पर सोमवार को सुबह बाबतपुर स्थित एक महाविद्यालय के कट के पास सड़क हादसा हुआ। इस दौरान एक ही दिशा में चल रहे मोपेड सवार 34 वर्षीय युवक को पीछे से आ रहे ट्रक ने चपेट में ले लिया। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस मृतक के परिजनों को जानकारी देते हुए शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार फुलपुर थानाक्षेत्र के औरावं गांव निवासी धर्मेंद्र पांडेय पुत्र कमलापति पांडेय कर्म कांडी ब्राह्मण हैं, जो पूजा पाठ कराते थे। सोमवार की सुबह वह वाराणसी से रुद्राभिषेक कराकर घर वापस लौट रहे थे। इस दौरान पीछे से आ रहे ट्रक से टक्कर लगने के कारण पहिये के नीचे आ गया।जिससे कुचलकर उसकी मौत हो गई। मृतक दो भाइयों में छोटा था। उसका एक पुत्र है। घटना की सूचना मिलते ही परिवार मे कोहराम मच गया।

अज्ञात बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आने वाले घनश्यामपुर बाजार में सोमवार की दोपहर को खुटहन थाना क्षेत्र के कम्मरपुर गांव निवासी गंगासागर सिंह उम्र करीब 65 वर्ष अपनी बहू की विदाई के लिए पैदल मीठा लेने बाजार गए थे ,की पीछे से तेज रफ्तार से रहे ।अज्ञात बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसके कारण वह रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में राजगीरों के द्वारा उपचार हेतु बदलापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां पर चिकित्सक ने देखते ही वृद्ध गंगा सागर सिंह को मृत घोषित कर दिया।उधर घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल पर पहुंची कोतवाली पुलिस शव को कब्जे में लेकर अन्य विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

नपं में नाला निर्माण में धांधली, लोगों ने किया प्रदर्शन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में नगर पंचायत के बैंक चौराहे पर नगर पंचायत द्वारा हो रहे घटिया नाला निर्माण से मोहल्ले वासी नाराज है। रविवार के दिन मोहल्ले वासियों ने एकत्रित होकर बैंक चौराहे पर आक्रोश व्यक्त किया। लोगों का कहना था कि नाला निर्माण हो जाने पर पानी का बहाव नहीं हो पाएगा, मोहल्ले के पानी नल से होकर नहीं जा पाएगा, पानी बगल के सड़क पर पर ही नल का रूप ले लेगा, सारा गंदा पानी सड़क पर बहने लगेगा। चेतना पूरी मोहल्ले से आने वाले नाले का पानी इस नाले में नहीं गिर पाएगा, जिसके वजह से मुख्य नाली में पानी का जाना मुश्किल हो जाएगा। धरना प्रदर्शन में संता कुमार, डॉक्टर रामनारायण पाठक, के अलावा दर्जनों लोग शामिल थे।

छह तरीकों से जेन जेड भारत में वित्त को दे रहा नया आकार—एक नया वित्तीय मोर्चा

मुंबई। भारत की जेन जेड एक वित्तीय क्रांति को आगे ला रही है, जो देश के कमाने, खर्च करने, बचाने और आकांक्षा रखने के तरीके को नया आकार दे रही है। अद्वितीय डिजिटल समझ, स्मार्ट वित्तीय साधनों के प्रति स्वाभाविक आकर्षण और एक साहसिक, आकांक्षा-संचालित मानसिकता से लैस, भारत के सबसे कम उम्र के कमाने वाले पैसे के मामलों को उन तरीकों से देख रहे हैं जो उनसे पहले वाले मिलेनियल्स और जेन एक्स से बिल्कुल अलग हैं।

होम क्रेडिट इंडिया की प्रमुख स्टडी, द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025, इस पीढ़ीगत बदलाव पर प्रकाश डालते हुए यह सामने ला रहा है कि कैसे देश का निम्न मध्यम वर्ग, खासकर जेन जेड वित्तीय परिदृश्य को नया आकार दे रहा है। अपनी सचेत पसंद, डिजिटल-फर्स्ट व्यवहार और भविष्य के लक्ष्यों पर लगातार ध्यान केंद्रित करके, वे नए मानक स्थापित कर रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय बचत दर में 2024 में 60% से इस साल 50% तक की उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है, भारत की जेन जेड प्रारंभिक वित्तीय अनुशासन के प्रतीक के रूप में खड़ी है। सीमित वित्त के तनाव के बावजूद, 33,000 की औसत मासिक आय के मुकाबले 20,000 के खर्च के साथ जेन जेड का उल्लेखनीय 56% आवश्यक खर्चों को पूरा करने के बाद सक्रिय रूप से बचत करने की रिपोर्ट करता है। यह प्रतिबद्धता पैसे के प्रबंधन में बढ़ती परिपक्वता को इंगित करती है, जो बजटिंग ऐप्स, डिजिटल ट्रैकिंग टूल के उनके कुशल उपयोग से समर्थित है। जेन जेड की खर्च करने की प्राथमिकताएं विकसित हो रही हैं और ये क्षणिक संतुष्टि पर दीर्घकालिक मूल्य और व्यक्तिगत संवर्धन की ओर एक स्पष्ट बदलाव का संकेत है। उनके वॉलेट तेजी से आत्म-सुधार और अनुभवों के लिए आवंटन को दशार्ते हैं। वे फिटनेस, प्रौद्योगिकी, यात्रा और सीखने के अनुभवों के प्रति अधिक इच्छुक हैं। हर महीने 44% जेन जेड स्थानीय स्तर पर यात्राएं कर रहे हैं और बेहतरी पर खर्च में स्पष्ट वृद्धि हुई है, यह पीढ़ी व्यक्तिगत विकास, कौशल वृद्धि और जीवन की बेहतर गुणवत्ता में निवेश कर रही है।

बीईओ के निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय में 5 सहायक अध्यापक व 2 शिक्षा मित्र मिले गायब

बीईओ ने पांच शिक्षकों व दो शिक्षा मित्र का एक दिन का वेतन काटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर बीईओ राजेश कुमार वैश्य ने सोमवार को सुबह आठ बजे ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय विशेषरपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कार्यरत पांच सहायक अध्यापक और दो शिक्षा मित्र विद्यालय से गायब मिलें। जिस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए बीईओ ने विभागीय कार्यवाही की।

बीईओ धमार्पुर राजेश कुमार वैश्य सोमवार को सुबह आठ बजे ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय विशेषरपुर निरीक्षण करने के लिए पहुच गए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रीना सिंह और सहायक अध्यापिका जेया नाज तो समय से मौजूद मिली। लेकिन निरीक्षण के दौरान सुबह आठ बजकर 5 मिनट तक विद्यालय की सहायक अध्यापक अर्चना गौड़, अर्पिता यादव, सद्भावना यादव, संगीता, मेहरूनिशा एवं शिक्षा मित्र नम्रता परिहार और ऋतु सिंह गायब मिली। बीईओ ने पाया कि इन अनुपस्थित शिक्षकों ने कोई छुट्टी भी नही ली थी और बिना किसी सूचना के विद्यालय से अनुपस्थित मिली। जिस पर बीईओ राजेश कुमार वैश्य ने प्रधानाध्यापिका रीना सिंह से नाराजगी जताते हुए अनुपस्थित पांच सहायक अध्यापक और दो शिक्षा मित्र का एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की।

-बीईओ राजेश कुमार वैश्य ने बताया कि सुबह 7 बजकर 45 मिनट पर ही सभी शिक्षकों के पहुचने का समय निर्धारित है। जिसमे आठ बजकर 5 मिनट तक पांच सहायक अध्यापक और दो शिक्षा मित्र अनुपस्थित मिले। जिस पर उक्त शिक्षकों का लापरवाही बरतने पर एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही की गई है।

सावन के प्रथम सोमवारी को निशुल्क सेवा शिविर का आयोजन

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सारण प्रमंडल के सब से बड़ा धाम, बाबा महेंद्रनाथ धाम, में बाबा महेंद्रनाथ सेवा मंच, के तत्वधान में निशुल्क सेवा शिविर का आयोजन किया गया। सेवा में शिव भक्तों को जल, शरबत, चना,गुण, और मेडिसिन सेवा उपलब्ध कराई गई।सेवा मंच के सदस्य उत्सव दुबे ने बताया, कि संस्था सावन के प्रत्येक सोमवारी की यह सेवा उपलब्ध कराएगी। मौके पर मंच के वरिष्ठ सदस्य आत्मा कुमार सिंह, अजीत कुमार, मोनू, शैलेंद्र कुंवर, उज्जवल दुबे, चन्दन दुबे, मोहित दुबे, आदि मौजूद थे ।

स्नेहा दुबे को जनसंपर्क कार्यालय हुआ स्वागत

वसईरोड। वसईकरों के अधिकारों के लिए विधानमंडल में जोरदार आवाज उठाने के वसई विधायक स्नेहा दुबे के प्रयासों को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सभी मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने वसई पश्चिम स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय में सभी वसईकरों की ओर से स्नेहा दुबे को हार्दिक बधाई और अभिनंदन दिया गया।

यह अभिनंदन समारोह सिर्फ.एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि स्नेहा दुबे के कार्यों और भविष्य के लिए दी गई ज़िम्मेदारी का सम्मान है। इस बैठक स्नेहा दूबे ने कहा कि मैंने सभी को विधानमंडल के कामकाज से अवगत कराया और इस बात पर चर्चा की कि कैसे मैं एक जनप्रतिनिधि के रूप में लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रहा हूँ। वसईकरों के लिए स्नेहा दुबे की लड़ाई इसी तरह जारी रहेगी - और अधिक मजबूती के साथ, और अधिक आत्मविश्वास के साथ जारी रहेगी।

युनेस्को ने छत्रपति शिवाजी के12 ऐतिहासिक किलों को विश्व धरोहर में शामिल करना गर्व: रंजू झा

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महिला सचिव श्रीमती रंजू झा ने बताया कि यह क्षण हर भारतवासी के हृदय को गर्व, सम्मान और भावुकता से भर देने वाला है। महाराष्ट्र में UNESCO ने महाराजा धिराज छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और संघर्ष से जुड़े 12 ऐतिहासिक किलों को विश्व धरोहर(#UNESCOWorldHeritage) में शामिल किया है। यह केवल ईंट-पत्थरों का नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान का वैश्विक सम्मान है। ये किले न सिर्फ शिवाजी महाराज की वीरता और रणनीति के साक्षी हैं, बल्कि वो हमारे इतिहास की वो अमर कहानियाँ हैं, जो आज पूरी दुनिया तक पहुँच गई हैं।

एक पेड़ माँ के नाम: वृक्षारोपण अभियान उत्साहपूर्वक संपन्न

-आदेश मिश्र

श्रीमती एस. टी. मेहता वुमेन्स जूनियर कॉलेज, घाटकोपर (पश्चिम) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की ओर से ₹एक पेड़ माँ के नाम₹ यह वृक्षारोपण अभियान शनिवार को कसारा में अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ।

इस अभियान का आयोजन एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी हिम्मतराव सोनवणे, ज्योति कुहाडे, कु. कीर्ती सिंह, एनसीसी की ज्योति शंकर माडीये तथा इको क्लब की सरीता मौर्या द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम को डॉ. विनोद झाल्टे (एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय एनएसएस जिला समन्वयक) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस वृक्षारोपण अभियान में एनएसएस के 37 स्वयंसेवकों तथा एनसीसी की 15 छात्राओं ने मिलकर कुल 60 पौधों का रोपण किया। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इको क्लब की छात्राओं द्वारा बनाए गए पेपर बैग कसारा के दुकानदारों को वितरित किए गए। इस अवसर पर वन विभाग के वनपाल श्री गाठे तथा राकेश पाटील ने स्वयंसेवकों और छात्राओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही, इस अभियान में वन परिक्षेत्र अधिकारी तोरडमल, वनपाल श्री गाठे, वनरक्षक जागले दादा, श्री हंडोरे दादा, राकेश पाटील एवं प्रमोद कदम का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

यह अभियान पर्यावरण के प्रति सामाजिक चेतना जागृत करने वाला एक प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ।इसकी जानकारी महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. वेदप्रकाश दुबे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया।

पटना मुख्यमंत्री आवास तक होगी दंडवत यात्रा, महाराजगंज को जिला बनाने की मांग हुई तेज

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में अनुमंडल को जिला बनाने की मांग तेज होती जा रही है। इसको लेकर सुप्रसिद्ध मौनिया बाबा के अतिथिशाला में जिला बनाओ संघर्ष समिति के सदस्यों ने बैठक की। इस बैठक के अध्यक्षता आत्मा कुमार सिंह ने की। समिति के वरिष्ठ सदस्य योग प्रचारक अंगद जी महाराज ने कहा की, मांग को लेकर एक सिस्ट मंडल महाराजगंज मौनिया बाबा स्थल से दंडवत यात्रा निकालकर पहले बाबा महेंद्रनाथ धाम स्थल तक जाएगा। बाबा महेंद्रनाथ मंदिर में जलाभिषेक कर 135 किलो मीटर की दूरी तय कर दंडवत यात्रा, मुख्यमंत्री आवास तक पटना पहुंच कर अपनी मांग पत्र सौंपेगा। मुख्यमंत्री द्वारा जिला बनाने का आश्वासन नहीं मिलने पर आमरण अनशन पर बैठेगा।

बैठक में सदस्य वीर योद्धा कमिटी के अध्यक्ष आशीष रंजन, प्रखण्ड अध्यक्ष अमित कुमार सिंह, नगर प्रवक्ता डॉ रामनारायण पाठक, प्रखण्ड प्रवक्ता अजय सिंह आदि क्रांतिकारी सदस्यों ने कहा विधानसभा चुनाव से पहले महाराजगंज को जिला घोषित करने के लिए मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी। योगी अंगद जी महाराज ने यहां तक कह डाली कि मुख्यमंत्री, कोताही की तो आगे जिंदा समाधि लेंगे। मौके पर समाजसेवी आशीष रंजन जी आत्मा कुमार सिंह मनंजय सिंह,अजय सिंह, मुकेश कुमार यादव, अमित कुमार सिंह, अरुण कुमार सिंह, मनन चौधरी, डॉक्टर राम नारायण पाठक, सुरेश सिंह, आर्यन मिश्रा, आदि मौजूद थे ।

यूनेस्को द्वारा शिवाजी महाराज का किल्ला को समावेश पर भाजपा जिला कार्यकर्ता में उत्साह

वसई रोड। छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर वसई गांव में भाजपा जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में हर्ष मनाया। जिसमें रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, शिवनेरी, सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, लोहागढ़, सलहेर, खंडेरी, जिंजी, 12 किलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। यह सफलता आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के यशस्वी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और संस्कृति मंत्रालय के प्रभावी प्रस्तुतीकरण और निरंतर अनुवर्ती कार्रवाई के कारण प्राप्त हुई। अब हम किले के प्राचीन वैभव को सच्चे अर्थों में देख पाएँगे। इस अवसर पर विधायक राजन नाईक, विधायक स्नेहा दुबे पंडित , भाजपा वसई विरार जिला अध्यक्ष सौ प्रज्ञा ताई पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल,अपर्णा पाटिल ,चंद्रशेखर आदि लोग मौजूद रहे।

चिकित्सा विशेषज्ञ स्कूल में दाखिले से पहले 4-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए बूस्टर खुराक की सलाह देते हैं

मुंबई। जैसे-जैसे भारत बाल टीकाकरण में प्रगति कर रहा है, विशेषज्ञ माता-पिता और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से अपील कर रहे हैं कि वे बच्चे की टीकाकरण अनुसूची में एक महत्वपूर्ण चरण—स्कूल प्रवेश की उम्र में डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस और पोलियो के बूस्टर डोज—को नजरअंदाज न करें। हालांकि शिशु अवस्था में प्राथमिक टीकाकरण प्रारंभिक सुरक्षा प्रदान करता है, वैज्ञानिक प्रमाण दशार्ते हैं कि समय के साथ डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस और पोलियो के प्रति प्रतिरक्षा घटने लगती है। यदि बच्चों को समय पर बूस्टर शॉट नहीं दिए जाएं, तो वे गंभीर बीमारियों के खतरे में आ सकते हैं, खासकर जब वे स्कूल जाना शुरू करते हैं और अधिक लोगों के संपर्क में आते हैं। भारत के राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अनुसार, डीटीपी टीकाकरण 6, 10 और 14 सप्ताह की उम्र में दिया जाता है, इसके बाद 16-24 माह में एक बूस्टर डोज और पोलियो के दो अंश मात्र के डोज 6 और 14 सप्ताह की उम्र में दिए जाते हैं। लेकिन जब बच्चा 4 से 6 वर्ष की उम्र तक पहुंचता है, तो सुरक्षात्मक एंटीबॉडी स्तर कम हो जाते हैं, जिससे संक्रमण और संभावित प्रकोप का खतरा बढ़ जाता है। क्लाउड नाइन अस्पताल, मलाड, मुंबई के कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजिस्ट व पीडियाट्रिशियन डॉ. पीयूष शाह कहते हैं, ह्ल4 से 6 वर्ष की उम्र के बीच का बूस्टर डोज बच्चे के दीर्घकालिक टीकाकरण का नियोजित हिस्सा होता है। यह चरण इसलिए टीकाकरण अनुसूची में शामिल किया गया है।

जून तिमाही में घरों की बिक्री में 14% की गिरावट

मुंबई, 14 जुलाई 2025: डिजिटल रियल एस्टेट लेनदेन और एडवायजरी प्लेटफॉर्म PropTiger.com की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत के 8 प्रमुख आवासीय बाजारों में अप्रैल-जून तिमाही में घरों की बिक्री में साल-दर-साल 14% की गिरावट आई है। कीमतों को लेकर चिंताओं के चलते खरीदार वेट एंड वॉच की स्थिति में चले गए। आरईए इंडिया (जिसके पास Housing.com का भी स्वामित्व है) का ही एक हिस्सा PropTiger.com की रिपोर्ट ह्यरियल इनसाइट रेजिडेंशियल - अप्रैल-जून 2025 के अनुसार बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता को छोड़कर बाकी सभी शहरों में बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। इस तिमाही में सबसे अधिक गिरावट एमएमआर (-32%) और पुणे (-27%) में दर्ज की गई। तिमाही दर तिमाही आधार पर ओवरऑल सेल्स में स्थिरता रही, हालांकि कई बाजारों में वृद्धि भी देखने को मिली। एमएमआर (27%), पुणे और बेंगलुरु (प्रत्येक 16%) ने कुल बिक्री में 59% का योगदान दिया।

PropTiger.com के सेल्स हेड श्रीधर श्रीनिवासन ने कहा, घर की बिक्री और नई लॉन्चिंग में शॉर्ट-टर्म गिरावट दरअसल मांग में गिरावट नहीं बल्कि एक रीकैलिब्रेशन है। विशेष रूप से बजट और मिड-इनकम सेगमेंट में किफायती विकल्पों की कमी के कारण खरीदार थोड़ा सतर्क हो गए हैं। हालांकि, कई शहरों में तिमाही आधार पर मजबूत वृद्धि यह दशार्ती है कि बुनियादी मांग अब भी बरकरार है। इससे यह भी पता चलता है कि एमएमआर, पुणे और बेंगलुरु जैसे प्रमुख बाजारों का प्रभुत्व कायम है। श्रीनिवासन ने कहा, हम यह भी देख रहे हैं कि डेवलपर्स प्रीमियम सेगमेंट में खास दिलचस्पी ले रहे हैं, जो 2025 की पहली छमाही में जमीन की रणनीतिक खरीद में झलकता है। यह भारत के आवासीय बाजार में लंबी अवधि में विश्वास को दशार्ता है, जिसे मजबूत आर्थिक आधार और उपभोक्ता आकांक्षाएं चला रही हैं।